ई–ग्रामीण शिविर
भारत में श्रम संहिताओं और जेंडर रिस्पॉन्सिव बजटिंग का परिचय
21–23 सितंबर 2021

वी.वी. गिरि राष्ट्रीय श्रम संस्थान

ई-ग्रामीण शिविर

भारत में श्रम संहिताओं और जेंडर रिस्पॉन्सिव बजटिंग का परिचय

21-23 सितंबर 2021

डॉ. शशि बाला

वी. वी. गिरि राष्ट्रीय श्रम संस्थान

(श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार)

सैक्टर - 24, नौएडा

ईमेल आईडी:-balashashi.vvgnli@gov.in

© वी.वी. गिरि राष्ट्रीय श्रम संस्थान, नौएडा

प्रतियों की संख्याः 125

प्रकाशन वर्षः 2023

यह प्रकाशन संस्थान की वेबसाइट www.vvgnli.org
से डाउनलोड किया जा सकता है।

प्रकाशित लेखों में व्यक्त विचार लेखक के अपने व्यक्तिगत विचार हैं।
उनसे वी.वी. गिरि राष्ट्रीय श्रम संस्थान का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

प्रकाशकः वी.वी. गिरि राष्ट्रीय श्रम संस्थान, सैक्टर-24, नौएडा-201301, उत्तर प्रदेश

मुद्रण स्थानः चंदू प्रेस, डी-97, शकरपुर, दिल्ली-110092

विषय सूची

अध्याय 1 परिचय	1
अध्याय 2 शिविरों में भाग लेने वालों की रूपरेखा	7
अध्याय 3 गांव में उपलब्ध बुनियादी सुविधाएं	13
अध्याय 4 समस्याओं की पहचान	18
अध्याय 5 अवैतनिक कार्य का पता लगाना	23
अध्याय 6 मामला अध्ययन	25
अध्याय 7 निष्कर्ष और सिफारिशें	27
अनुलग्नक 1- शिविर का पहला दिन	28
अनुलग्नक 1.1 - वीवीजीएनएलआई का परिचय	28
अनुलग्नक 1.2 - स्वयं को समझना	32
अनुलग्नक 1.3 - टीम वर्क	34
अनुलग्नक 2- शिविर का दूसरा दिन	42
अनुबंध 2.1 - श्रम संहिताएं: एक अवलोकन	42
अनुलग्नक 2.2 - मजदूरी संहिता, 2019	45
अनुलग्नक 3- शिविर का तीसरा दिन	46
अनुलग्नक 3.1 - व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और कार्यदशाएँ संहिता 2020	46
अनुलग्नक 4 - समस्या की पहचान पर प्रश्नावली	49
अनुलग्नक 5 - समय सर्वेक्षण पर प्रश्नावली	53

तालिकाओं की सूची

तालिका संख्या	विवरण	पृष्ठ संख्या
1.1	नमूने का चयन	1
2.1	प्रतिभागियों का लिंगवार प्रतिशत	7
2.2	प्रतिभागियों की उच्चतम शिक्षा	7
2.3	बाल देखभाल में प्रतिभागियों की भागीदारी	8
2.4	गांव के विकास कार्यक्रमों के बारे में जागरूकता	8
2.5	प्रतिभागियों की भूमि जोत	9
2.6	प्रतिभागियों द्वारा प्राप्त बैंकिंग सेवाएं	10
2.7	प्रतिभागियों की रोजगार स्थिति	10
2.8	प्रतिभागियों के स्वामित्व वाले दस्तावेज	11
2.9	प्रतिभागियों के स्कूल जाने वाले बच्चे	11
2.10	प्रतिभागियों की कोविड-19 टीकाकरण की स्थिति	12
2.11	आईटीआई से शिक्षित प्रतिभागी	12
3.1	गांव में इंटरनेट कनेक्टिविटी	13
3.2	इंटरनेट का उपयोग करने का उपकरण और उद्देश्य	14
3.3	गांव में इंटरनेट टावर	14
3.4	गांव में शौचालय की सुविधा तक पहुंच	15
3.5	पेयजल उपलब्धता	15
3.6	प्रतिभागी के घर के पास उपलब्ध शैक्षणिक संस्थान	16
3.7	बच्चों की ऑनलाइन शिक्षा तक पहुंच	16
3.8	एमएसएमई और गांव में रोजगार	17
4.1	पानी की उपलब्धता से संबंधित समस्या	18
4.2	गांव के भीतर और बाहर आने-जाने में हो रही समस्या	18
4.3	भूमि जोत के संबंध में विवाद	19
4.4	बिजली की उपलब्धता के संबंध में समस्याएं	19
4.5	घरेलू हिंसा	20
4.6	बाल श्रम	20
4.7	गांव में उपलब्ध चिकित्सा सुविधाओं तक पहुंचने में कठिनाई	21
4.8	बुनियादी ढांचे से संबंधित चुनौतियां	21
4.9	सरकार की योजनाओं तक पहुंचने में समस्या	22
4.10	स्कूल छोड़ने वाले बच्चे	22
5.1	प्रति प्रतिभागी एक दिन में विभिन्न गतिविधियों में बिताया गया औसत समय (मिनटों में)	23

चित्रों की सूची

आंकड़े संख्या	विवरण	पृष्ठ संख्या
2.1	प्रतिभागियों का लिंगवार प्रतिशत	7
2.2	प्रतिभागियों की उच्चतम शिक्षा	8
2.3	बाल देखभाल में प्रतिभागियों की भागीदारी	8
2.4	गांव के विकास कार्यक्रमों के बारे में जागरूकता	9
2.5	प्रतिभागियों की भूमि जोत	9
2.5.1	प्रतिभागियों की भूमि जोत का आकार	9
2.6	प्रतिभागियों द्वारा प्राप्त बैंकिंग सेवाएं	10
2.7	प्रतिभागियों की रोजगार स्थिति	10
2.8	प्रतिभागियों के स्वामित्व वाले दस्तावेज	11
2.9	प्रतिभागियों के स्कूल जाने वाले बच्चे	11
2.10	प्रतिभागियों की कोविड-19 टीकाकरण की स्थिति	12
2.11	आईटीआई से शिक्षित प्रतिभागी	12
3.1	गांव में इंटरनेट कनेक्टिविटी	13
3.1.1	गांव में इंटरनेट कनेक्टिविटी की गति	13
3.2	इंटरनेट का उपयोग करने का उपकरण और उद्देश्य	14
3.3	गांव में इंटरनेट टावर	14
3.4	गांव में शौचालय की सुविधा तक पहुंच	15
3.4.1	सुलभ शौचालयों का प्रकार	15
3.5	पेयजल उपलब्धता	16
3.6	प्रतिभागी के घर के पास उपलब्ध शैक्षणिक संस्थान	16
3.7	बच्चों की ऑनलाइन शिक्षा तक पहुंच	17
3.8	एमएसएमई और गांव में रोजगार	17
4.1	पानी की उपलब्धता से संबंधित समस्या	18
4.2	गांव के भीतर और बाहर आने-जाने में हो रही समस्या	19
4.3	भूमि जोत के संबंध में विवाद	19
4.4	बिजली की उपलब्धता के संबंध में समस्याएं	20
4.5	घरेलू हिंसा	20
4.6	गांव में बाल श्रम देखा	21

4.7	गांव में उपलब्ध चिकित्सा सुविधाओं तक पहुंचने में कठिनाई	21
4.8	बुनियादी ढांचे से संबंधित चुनौतियां	22
4.9	सरकार की योजनाओं तक पहुंचने में समस्या	22
4.10	स्कूल छोड़ने वाले बच्चे	22
5.1	प्रति प्रतिभागी एक दिन में विभिन्न गतिविधियों में बिताया गया औसत समय (मिनटों में)	24

प्रस्तावना

ग्रामीण अर्थव्यवस्था में महिलाओं की अहम भूमिका होती है। महिलाएं अपना अधिकांश समय अवैतनिक गतिविधियों में व्यतीत करती हैं जबकि पुरुष अपना अधिकांश समय सवेतन गतिविधियों में व्यतीत करते हैं।

वे किसान, मजदूरी कमाने वाली और व्यवसाय की मालिक हैं। स्थानीय महिलाएं पारंपरिक ज्ञान के रखवाले के रूप में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं, जो उनके समुदायों की आजीविका, लचीलापन और संस्कृति के लिए आवश्यक है। प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन में महिलाएं अनोखे तरीके से योगदान कर सकती हैं।

महिला श्रम बल की भागीदारी (एफएलएफपी) पुरुष एलएफपी की तुलना में कम रही है, महिलाओं के पास अधिकतर अवैतनिक श्रम होता है, और जब महिलाओं को सवेतन कार्यों में लगाया जाता है, तो अनौपचारिक क्षेत्र और गरीबों में उनका अधिक प्रतिनिधित्व होता है।

इस रिपोर्ट का उद्देश्य कृषि में महिलाओं की आधारभूत स्थिति को उजागर करना है। इस अध्ययन के लक्ष्य हैं - जेंडर और उत्पादक रोजगार/अर्थव्यवस्था में योगदान के साथ उसके अंतर संबद्धता को समझना, लैंगिक समानता को बढ़ावा देने वाले कानूनी ढांचे पर चर्चा करना, कार्य की दुनिया में लैंगिक भेदभाव से निपटने के लिए आवश्यक रणनीतियों पर चर्चा करना तथा भारत में श्रम संहिताओं और जेंडर रिस्पॉन्सिव बजटिंग पर चर्चा करना है। । वर्तमान अध्ययन लैंगिक आयामों के प्रति एक निष्पक्ष और न्यायसंगत दृष्टिकोण को बढ़ावा देने और लागू करने का एक प्रयास है। हमें उम्मीद है कि वर्तमान शोध कृषि क्षेत्र में मौजूदा लैंगिक असमानताओं को कम करने के उनके प्रयास में सभी हितधारकों के लिए फायदेमंद होगा। मैं डॉ. शशि बाला, फेलो और उनकी टीम को इस दिशा में उनके प्रयासों के लिए बधाई देता हूं।

(डॉ. अरविंद)
महानिदेशक
वी.वी. गिरि राष्ट्रीय श्रम संस्थान, नौएडा

आभार

इस अध्ययन को आरंभ एवं पूरा करने का अवसर प्रदान करने के लिए हम डॉ. एच श्रीनिवास, श्री अमित निर्मल, भूतपूर्व महानिदेशक एवं डॉ. अरविंद, महानिदेशक, वी. वी. गिरि राष्ट्रीय श्रम संस्थान, नौएडा के प्रति अपनी गहरी कृतज्ञता व्यक्त करना चाहते हैं। मैं इस महत्वपूर्ण अध्ययन को संचालित करने और पूरा करने में समर्थन के लिए वीवीजीएनएलआई टीम का भी आभार व्यक्त करती हूँ।

मैं पूरी परियोजना टीम: सुश्री निमरा खान, डॉ भूमिका बत्रा (रिसर्च एसोसिएट) और सुश्री मंजू सिंह (कंप्यूटर ऑपरेटर) के साथ-साथ डॉ. एम. एम. रहमान एवं श्री बी. एस. रावत (वरिष्ठ अनुवाद अधिकारी) को इस रिपोर्ट को मूर्तरूप देने में उनके निरंतर और अथक प्रयासों के लिए धन्यवाद देती हूँ।

अंत में, मैं हौसला बढ़ाने वाले अपने परिवार, जिसने हमेशा, खासकर जब मैं अपने काम को कार्यालय समय के इतर भी करती हूँ, मुझे सहयोग किया है, का धन्यवाव करती हूँ। उनके व्यक्तिगत सहयोग मेरे लिए अनमोल खज़ाना हैं।

डॉ. शशि बाला
वरिष्ठ फेलो

अध्याय 1

परिचय

वर्तमान ई-ग्रामीण शिविर लिंग और श्रम अध्ययन केंद्र के तहत लिंग से संबंधित मुद्दों पर प्रतिभागियों के कौशल को मजबूत करने और श्रम संहिताओं पर जागरूकता प्रदान करने के लिए आयोजित किया गया था।

क्रियाविधि

अध्ययन क्षेत्र

अध्ययन क्षेत्र का चयन कई मापदंडों जैसे महिलाओं की जनसंख्या, उनके शैक्षिक, रोजगार के विवरण और अन्य सामाजिक कारकों को ध्यान में रखते हुए किया गया था। मापदंडों के चयन से संबंधित सभी जानकारी **'कृषि में लिंग के उभरते रुझान: उत्तर प्रदेश का एक मामला'** अध्ययन से ली गई थी।

इन क्षेत्रों में किए गए विस्तृत सर्वेक्षण के आधार पर अध्ययन क्षेत्र का चयन किया गया। स्थानीय प्रशासन जैसे सरपंच, श्रम अधिकारियों, आदि और स्थानीय प्रगणक ने प्रतिभागियों के एक बैच का चयन करने में मदद की। प्रतिभागियों का चयन केवल जिले तक सीमित था। हालांकि, ऐसे प्रतिभागियों ने विविध विशेषताओं का प्रतिनिधित्व किया।

अध्ययन का उद्देश्य

- जेंडर और उत्पादक रोजगार/अर्थव्यवस्था में योगदान के साथ उसके अंतर संबद्धता को समझना।
- लैंगिक समानता को बढ़ावा देने वाले कानूनी ढांचे पर चर्चा करना।
- कार्य की दुनिया में लैंगिक भेदभाव से निपटने के लिए आवश्यक रणनीतियों पर चर्चा करना।
- भारत में श्रम संहिताओं और जेंडर रिस्पॉन्सिव बजटिंग पर चर्चा करना।

1.1 नमूना आकार

बरेली क्षेत्र में ग्राम उंडला जागीर को चुना गया था। तालिका 1.1 में दिए गए आंकड़े जनसंख्या 2011 की जनगणना पर आधारित हैं।

तालिका 1.1: नमूना चयन

उप-जिला		जनसंख्या
ग्रामीण (गांव)	उंडला जागीर	9,738

स्रोत: जनगणना 2011

सीमाएं:

1. बार-बार बिजली कटौती।
2. प्रतिभागियों को लंबे समय तक बनाए रखना मुश्किल है।
3. प्रतिभागियों और सूत्रधारों की भाषा में अंतर; इस स्थिति में स्थानीय आंगनबाडी एवं आशा कार्यकर्ताओं ने मदद की।

शिविर की तैयारी

ग्राम उंडला जागीर, जिला बरेली; जिसने यह ई-ग्रामीण शिविर आयोजित किया, में हम ग्रामीण आबादी के सामने आने वाली चुनौतियों को उजागर करने में सफल रहे। मामला अध्ययन और व्यक्तिगत साक्षात्कार का उपयोग करके कई अलग-अलग समस्याएं और शिकायतें देखि गईं, जिनका इस रिपोर्ट में आगे विश्लेहसन किया गया है। प्रतिभागियों और स्थानीय अधिकारियों कक चयन किया गया और उन्हें शिविरों से संबंधित विवरण के बारे में उन्हें अग्रिम रूप से सूचित किया गया। इस ई-कैंप में कुल 58 प्रतिभागी शामिल हुए।

शिविर का संचालन

शिविर आयोजित करने का तरीका एक शिविर से दूसरे शिविर में भिन्न होता है। यह शिविर ग्राम पंचायतक ए खाली भवन में आयोजित किया गया। शिविर का स्थान गाँव के बीच में था और प्रतिभागियों के लिए इकट्ठा होना आसान था। चूंकि यह शिविर एक ई-ग्रामीण शिविर था, स्थानीय प्रगणक ने प्रतिभागियों को इंटरनेट की सुविधा प्रदान की और संस्थान एवं प्रतिभागियों को जोड़ने के लिए एक अच्छे इंटरनेट कनेक्शन के साथ एक लैपटॉप और स्पीकर का उपयोग किया। कोविड को ध्यान में रखते हुए सामाजिक दूरी बनाए रखने, मास्क पहनने और समय-समय पर हाथ धोने से संबंधित सभी सभी सावधानियां बरती गईं।

शिविर के पहले दिन की शुरुआत परियोजना निदेशक डॉ. शशिबाला ने की जिसमें उन्होंने शिविर और संस्थान के बारे में जानकारी दी । इसके उपरांत शिविर का उद्घाटन संस्थान के महानिदेशक डॉ एच. श्रीनिवास के द्वारा किया गया। अपने संबोधन में डॉ. श्रीनिवास ने व्यक्तिगत प्रयासों के कई उदाहरणों का हवाला दिया और इस बात पर जोर दिया कि अगर महिलाएं एकजुट हों तो वे अपने जीवन के कई महत्वपूर्ण लक्ष्यों को प्राप्त कर सकती हैं।

उन्होंने एक कहावत की मदद से समझाया कि किसी व्यक्ति को मछली नहीं देनी चाहिए बल्कि उन्हें मछली पकड़ना सिखाना चाहिए, ताकि इससे न केवल उन्हें फायदा हो बल्कि भविष्य के लिए भी उपयोगी हो। उन्होंने प्रतिभागियों से प्रश्न पूछने और ज्ञान प्राप्त करने का अनुरोध किया। अंत में, उन्होंने

प्रतिभागियों से समाज और सरकार को उनके ज्ञान और कार्यों के माध्यम से कुछ वापस करने की बात कही।

महानिदेशक के संबोधन के बाद गांव के प्रधान श्री मुशाहिद खान ने प्रतिभागियों को संबोधित किया और इस सार्थक कार्यक्रम के आयोजन के लिए संस्थान को धन्यवाद दिया। उन्होंने गांव का एक सिंहावलोकन भी दिया। इसके बाद, डॉ. शशि बाला द्वारा शिविर का पहला सत्र शुरू किया गया जिसका उद्देश्य स्वयं को जानना और समझना था। इस सत्र में 5-5 लोगों के समूह बनाकर भागीदारी दृष्टिकोण शामिल था जिसमें उनके सर्वोत्तम गुणों के बारे में चर्चा की गयी।

स्थानीय प्रगणक को उनके उत्तर बोर्ड पर लिखने और उस पर चर्चा करने का निर्देश दिया गया था। प्रतिभागियों ने अपने सर्वोत्तम गुणों जैसे कि स्वतंत्रता, ताकत, सिलाई कौशल, मेहनती कौशल आदि को सूचीबद्ध किया। प्रतिभागियों के बीच अन्य प्रश्नों पर भी चर्चा की गई जैसे कि वे क्या बनना चाहते थे? क्या इसे हासिल कर लिया है? इसे हासिल करने के लिए क्या कदम उठाए जाने चाहिए? इसके अलावा प्रतिभागियों का एसडब्ल्यूओटी विश्लेषण भी किया गया।

दोपहर 1-2 बजे प्रतिभागियों के लिए एक मध्यांतर के रूप में रखा गया था।

इस दिन का अंतिम सत्र श्री राजीव हसीजा ने लिया, इसमें प्रतिभागियों के बीच टीम वर्क की अवधारणा को बढ़ाया गया। इस सत्र में कार्य संस्कृति में टीम वर्क के महत्व, और टीम वर्क के महत्व एवं लाभों के अलावा उनकी कार्य कुशलता में सुधार कैसे किया जाए को रेखांकित किया गया । उन्होंने टीम के विकास के चरणों और एक टीम के भीतर संचार के प्रभावों पर भी चर्चा की।

स्थानीय प्रगणक ने प्रतिभागियों के मूल विवरण दर्ज किए।

दूसरे दिन, शिविर डॉ. शशि बाला के सत्र के साथ फिर से शुरू हुआ, जिसमें श्रम संहिताओं का अवलोकन प्रदान किया गया। इसमें सभी 4 श्रम संहिताओं और उनके महत्व पर प्रकाश डाला गया।

प्रथम हाफ के दूसरे सत्र की शुरुआत डॉ. पारोमिता मजूमदार के सत्र से हुई जो जेंडर बजटिंग के परिचय के संबंध में था। प्रतिभागियों ने ध्यान से सुना और सत्र बहुत इंटरैक्टिव था।

1--2 बजे प्रतिभागियों के लिए एक मध्यांतर के रूप में रखा गया था।

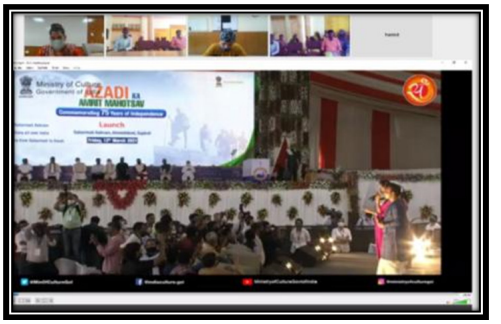

परियोजना निदेशक डॉ. शशिबाला द्वारा नए सत्र के साथ दोपहर 2 बजे शिविर फिर से शुरू हुआ। उन्होंने सत्र को और अधिक आकर्षक बनाने के लिए इंटरैक्टिव वीडियो का उपयोग किया और प्रतिभागियों से इसके बारे में प्रश्न पूछे।

दूसरा भाग प्रोफेसर सुनील बख्शी के सत्र द्वारा शुरू किया गया था जो मजदूरी संहिता, 2019 के बारे में था। उनके सत्र में मजदूरी संहिता की कवरेज और प्रयोज्यता, इसकी परिभाषा, वेतन पर मजदूरी संहिता का प्रभाव, कर्मचारी और श्रमिकों के बीच अंतर, मजदूरी संहिता लिंग के आधार पर भेदभाव को कैसे रोकती है, इत्यादि शामिल थे।

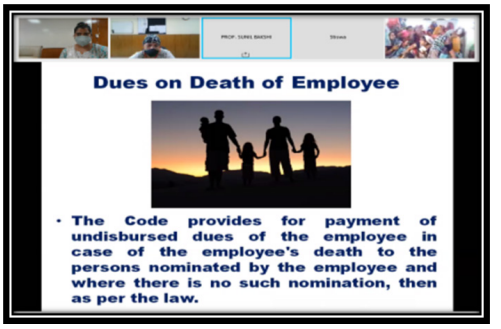

'आगे की राह' से संबंधित दिन के अंतिम सत्र को डॉ. शशि बाला ने लिया।

तीसरे दिन की शुरुआत प्रो. सुनील बख्शी द्वारा व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और कार्यदशाएँ संहिता, 2020 के संबंध में जानकारी प्रदान करने के साथ हुई। उनका सत्र परस्पर संवादात्मक प्रकृति का था और उन्होंने कार्यस्थल पर स्वास्थ्य जांच, मनरेगा, व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और कार्यदशाएँ संहिता, और आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, आदि के संबंध में प्रतिभागियों के सभी प्रश्नों का उत्तर दिया।

1-2 बजे प्रतिभागियों के लिए एक मध्यांतर के रूप में रखा गया था।

अगला सत्र श्री खेमराज द्वारा सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020 को परिभाषित करते हुए लिया गया। उन्होंने श्रम पंजीकरण, प्रसूति प्रसुविधा अधिनियम, मनरेगा में एमईटी / पर्यवेक्षक की भूमिका, स्वयं सहायता समूहों के महत्व को परिभाषित किया और कोविड से संबंधित जानकारी के साथ समापन किया। प्रतिभागियों को ई-श्रम पोर्टल से भी परिचित कराया गया और स्थानीय प्रगणक ने प्रतिभागियों को पोर्टल में पंजीकरण करने में मदद की।

शिविर से पहचानी गई समस्याएं:

- गांव में कोई सरकारी सीनियर सेकेंडरी स्कूल नहीं है।
- गांव में केवल निजी सीनियर सेकेंडरी स्कूल उपलब्ध हैं।
- मनरेगा की मजदूरी कम है और रोजगार की अवधि भी कम है।
- महिलाओं के सिलाई कौशल को महत्व नहीं दिया जाता है; उन्हें प्रोत्साहित किया जाना चाहिए और यह सिखाया जाना चाहिए।
- स्कूल घरों से दूर हैं, यह शिक्षा ग्रहण करने की दिशा पहुंचने में छात्रों के लिए एक बाधा के रूप में कार्य करता है।
- गांव में पक्की/कंक्रीट की सड़कें नहीं हैं; यह गांव के भीतर आने-जाने में एक बाधा के रूप में कार्य करता है।
- कुछ प्रतिभागियों ने रहने के लिए कच्चे मकान होने की शिकायत की, उन्हें मानसून के मौसम में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।
- कुछ प्रतिभागियों ने आवास योजना के तहत मकानों के लिए सब्सिडी के लिए आवेदन किया है।
- ग्रामीणों ने बताया कि योजनाओं का लाभ पारदर्शी तरीके से नहीं मिल रहा है।

गांव की झलक

अध्याय 2

शिविरों में भाग लेने वालों की रूपरेखा

प्रतिभागियों के बारे में जानकारी

इस अध्याय में उन प्रतिभागियों के व्यक्तिगत जीवन और गतिविधियों के बारे में जानकारी शामिल है जो 3 दिनों के लिए शिविर में मौजूद थे। यह हमें उनकी पृष्ठभूमि और उनके दैनिक जीवन चक्र को समझने में मदद करेगा जो आगे समस्या की पहचान करने और उसका समाधान करने में सहायता करेगा।

तालिका 2.1 दर्शाती है कि शिविर में पुरुष प्रतिभागियों की तुलना में अधिक महिला प्रतिभागियों ने भाग लिया।

तालिका 2.1: प्रतिभागियों का लिंगवार प्रतिशत

लिंग		कुल
महिला	पुरुष	
77.60	22.40	100.00

स्रोत- फील्ड सर्वेक्षण

चित्र 2.1: प्रतिभागियों का लिंगवार प्रतिशत

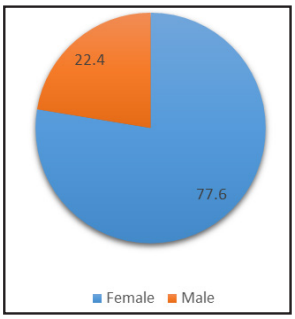

प्रतिभागियों की उच्चतम शिक्षा

तालिका 2.2 प्रतिभागियों की उच्चतम शैक्षिक योग्यता को दर्शाती है और यह देखा जा सकता है कि अधिकांश प्रतिभागियों ने प्राथमिक शिक्षा प्राप्त की है।

तालिका 2.2: प्रतिभागियों की उच्चतम शिक्षा

		लिंग		कुल
		महिला	पुरुष	
उच्चतम शिक्षा	प्राथमिक	15.56	8.23	23.79
	माध्यमिक	7.56	3.12	10.68
	उच्च माध्यमिक	5.63	6.71	12.34
	स्नातक	1.73	3.25	4.98
	कोई पढ़ाई नही	47.12	1.09	48.21
	कुल	**77.60**	**22.40**	**100.00**

स्रोत- फील्ड सर्वेक्षण

चित्र 2.2: प्रतिभागियों की उच्चतम शिक्षा

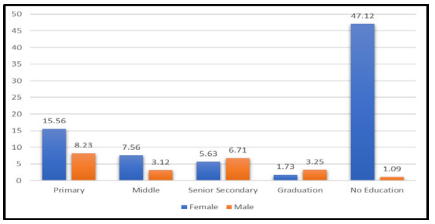

बाल देखभाल में प्रतिभागियों की भागीदारी

तालिका 2.3 बाल देखभाल गतिविधियों में प्रतिभागियों की भागीदारी को दर्शाती है और हम यह निष्कर्ष निकाल सकते हैं कि 91.40% प्रतिभागी बाल देखभाल में लगे थे और 8.60% प्रतिभागी बाल देखभाल में लगे थे।

तालिका 2.3: बाल देखभाल में प्रतिभागियों की भागीदारी

		लिंग		कुल
		महिला	पुरुष	
बाल देखभाल में भागीदारी	हाँ	74.20	17.20	91.40
	नहीं	3.40	5.20	8.60
	कुल	**77.60**	**22.40**	**100.00**

स्रोत- फील्ड सर्वेक्षण

चित्र 2.3: बाल देखभाल में प्रतिभागियों की भागीदारी

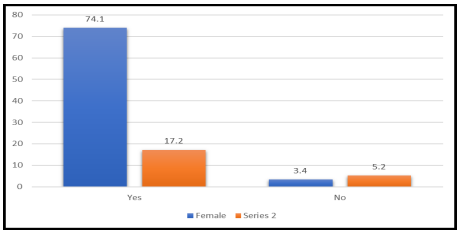

गाँव के विकास कार्यक्रमों के बारे में जागरूकता

तालिका 2.4 प्रतिभागियों को उनके गांव में विकास कार्यक्रमों के बारे में जागरूकता दिखाती है और यह देखा जा सकता है कि अधिकांश प्रतिभागियों को गांव के विकास कार्यक्रमों के बारे में पता था और वे मनरेगा 2005 और कौशल विकास प्रशिक्षण के बारे में सबसे ज्यादा जानते थे।

तालिका 2.4: गांव के विकास कार्यक्रमों के बारे में जागरूकता

		लिंग		कुल
		महिला	पुरुष	
विकास कार्यक्रमों के बारे में जागरूकता	हाँ	36.02	20.70	56.72
	नहीं	41.58	1.70	43.28
कुल		**77.60**	**22.40**	**100.00**
कार्यक्रम के प्रकार	कौशल विकास प्राशिक्षण	16.52	15.26	31.78
	मनरेगा	19.5	5.44	24.94
कुल		**36.02**	**20.7**	**56.72**

स्रोत- फील्ड सर्वेक्षण

चित्र 2.4: गांव के विकास कार्यक्रमों के बारे में जागरूकता

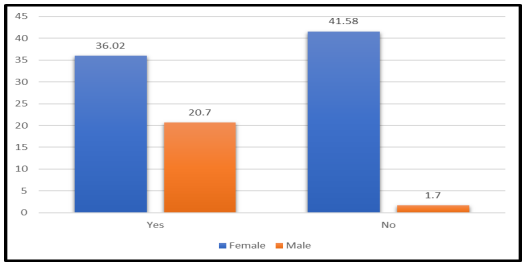

प्रतिभागियों की भूमि जोत

तालिका 2.5 प्रतिभागियों के भूमि जोत अधिकारों से संबंधित आंकड़ों को दर्शाती है। यह पाया गया कि 15.32% महिलाओं और 21.05% पुरुषों के पास 0-2 बीघा से लेकर 4-6 बीघा तक की भूमि जोत है और अधिकांश भूमि धारक छोटे-सीमांत भूमि धारक थे।

तालिका 2.5: प्रतिभागियों की भूमि जोत

		लिंग		कुल
		महिला	पुरुष	
स्वामित्व वाली भूमि जोत	हाँ	15.32	21.05	36.37
	नहीं	62.28	1.35	63.63
कुल		**77.60**	**22.40**	**100.00**
आकार	0-2 बीघा	7.34	8.33	15.67
	2-4 बीघा	3.36	5.63	8.99
	4-6 बीघा	4.62	7.09	11.71
कुल		**15.32**	**21.05**	**36.37**

स्रोत- फील्ड सर्वेक्षण

चित्र 2.5: प्रतिभागियों की भूमि जोत

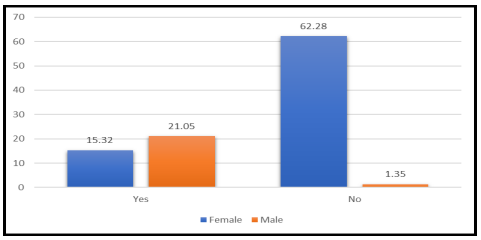

चित्र 2.5.1: प्रतिभागियों की भूमि जोत का आकार

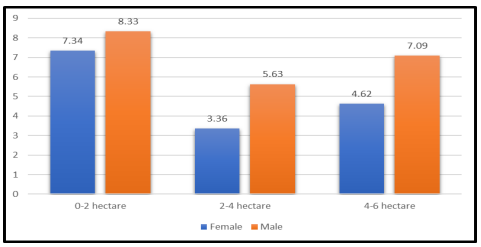

प्रतिभागियों द्वारा प्राप्त बैंकिंग सेवाएं

तालिका 2.6 प्रतिभागियों द्वारा प्राप्त बैंकिंग सेवाओं का वर्णन करती है और यह देखा जा सकता है कि सभी प्रतिभागी बैंकिंग सेवाओं का लाभ उठाते हैं। प्रतिभागियों के बीच बचत खाता सबसे अधिक उपयोग की जाने वाली बैंकिंग सेवा थी।

तालिका 2.6: प्रतिभागियों द्वारा प्राप्त बैंकिंग सेवाएं

		लिंग		कुल
		महिला	पुरुष	
बैंकिंग सेवाएं प्राप्त करना	हां	77.60	22.40	100.00
प्राप्त बैंकिंग सेवाओं का प्रकार	सावधि जमा	5.34	2.70	8.04
	बचत खाता	72.26	19.70	91.96
कुल		**77.60**	**22.40**	**100.00**

स्रोत- फील्ड सर्वेक्षण

चित्र 2.6: प्राप्त की गई बैंकिंग सेवाओं का प्रकार

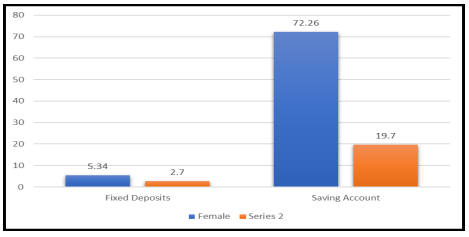

प्रतिभागियों की रोजगार स्थिति

तालिका 2.7 प्रतिभागियों के रोजगार की स्थिति को रेखांकित करती है और यह देखा जा सकता है कि अधिकांश प्रतिभागी बेरोजगार थे। कार्यरत लोगों में से, अधिकांश प्रतिभागी कृषि से संबंधित गतिविधियों में लगे हुए पाए गए।

तालिका 2.7: प्रतिभागियों की रोजगार स्थिति

		लिंग		कुल
		महिला	पुरुष	
रोजगार की स्थिति	हाँ	6.81	10.52	17.33
	नहीं	70.79	11.88	82.67
कुल		**77.60**	**22.40**	**100.00**
कार्य की प्रकृति	कृषि	3.43	3.78	7.21
	गैर कृषि	1.82	4.05	5.87
	स्वनियोजित	1.56	2.69	4.25
कुल		**6.81**	**10.52**	**17.33**

स्रोत- फील्ड सर्वेक्षण

चित्र 2.7: प्रतिभागियों की रोजगार स्थिति

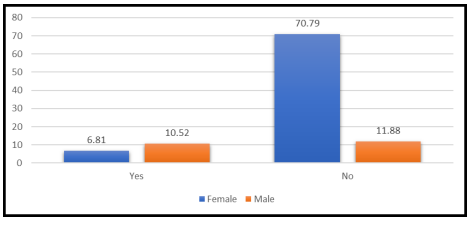

प्रतिभागियों के स्वामित्व वाले दस्तावेज

तालिका 2.8 दर्शाती है कि अधिकांश प्रतिभागियों (89.74 प्रतिशत) के पास आधार कार्ड है जबकि अन्य के पास राशन कार्ड है।

तालिका 2.8: प्रतिभागियों के स्वामित्व वाले दस्तावेज

		लिंग		कुल
		महिला	पुरुष	
स्वामित्व वाले दस्तावेज़	आधार कार्ड	70.48	19.26	89.74
	राशन कार्ड	7.12	3.14	10.26
	कुल	**77.60**	**22.40**	**100.00**

स्रोत- फील्ड सर्वेक्षण

चित्र 2.8: प्रतिभागियों के स्वामित्व वाले दस्तावेज़

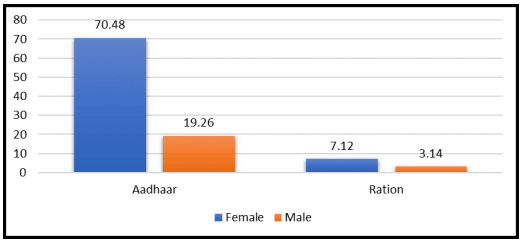

प्रतिभागियों के स्कूल जाने वाले बच्चे

तालिका 2.9 की सहायता से यह देखा जा सकता है कि अधिकांश प्रतिभागियों के बच्चे स्कूल जा रहे थे।

तालिका 2.9: प्रतिभागियों के स्कूल जाने वाले बच्चे

		लिंग		कुल
		महिला	पुरुष	
प्रतिभागियों के स्कूल जाने वाले बच्चे	हाँ	70.70	19.00	89.70
	नहीं	6.90	3.40	10.30
कुल		**77.60**	**22.40**	**100.00**

स्रोत- फील्ड सर्वेक्षण

चित्र 2.9: प्रतिभागियों के स्कूल जाने वाले बच्चे

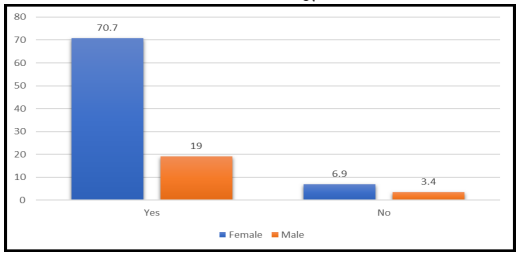

कोविड-19 टीकाकरण की स्थिति

प्रतिभागियों की कोविड-19 टीकाकरण की स्थिति

तालिका 2.10 भागीदारी की कोविड -19 टीकाकरण स्थिति प्रस्तुत करती है और यह देखा जा सकता है कि अधिकांश प्रतिभागियों ने कोविड -19 टीकाकरण प्राप्त कर लिया है।

तालिका 2.10: प्रतिभागियों की कोविड-19 टीकाकरण की स्थिति

		लिंग		कुल
		महिला	पुरुष	
किसी भी कोविड-19 टीकाकरण को प्राप्त किया।	हाँ	69.03	20.68	89.71
	नहीं	8.57	1.72	10.29
कुल		**77.6**	**22.4**	**100.00**
टीकाकरण प्राप्त करने में कोई कठिनाई	बुखार	33.35	9.06	42.41
	कमज़ोरी	35.68	11.62	47.3
कुल		**69.03**	**20.68**	**89.71**

स्रोत- फील्ड सर्वेक्षण

चित्र 2.10: किसी भी कोविड-19 टीकाकरण को प्राप्त किया

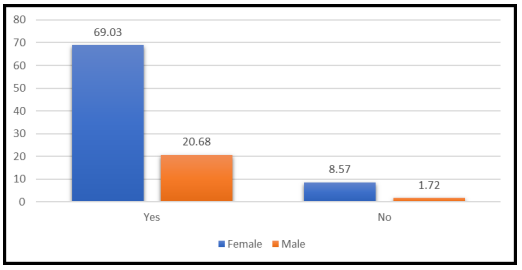

आईटीआई से शिक्षित प्रतिभागी

तालिका 2.11 से देखा जा सकता है कि केवल कुछ ही प्रतिशत प्रतिभागियों ने आईटीआई या किसी अन्य तकनीकी संस्थान से शिक्षा प्राप्त की है। यह देखा जा सकता है कि पुरुषों के मुकाबले अधिक महिलाओं ने आईटीआई से ज्यादा पढ़ाई की है। यह पाया गया कि आईटीआई या किसी अन्य तकनीकी संस्थान से उत्तीर्ण अधिकांश महिला प्रतिभागियों को रोजगार का कोई अवसर नहीं मिला।

तालिका 2.11: आईटीआई से शिक्षित प्रतिभागी

		लिंग		कुल
		महिला	पुरुष	
आईटीआई या किसी अन्य तकनीकी संस्थान से पढ़ाई की	हाँ	12.11	6.92	19.03
	नहीं	65.49	15.48	80.97
कुल		**77.6**	**22.4**	**100.00**
आईटीआई से पढ़ाई के बाद रोजगार का अवसर	हाँ	5.05	4.46	9.51
	नहीं	7.06	2.46	9.52
कुल		**12.11**	**6.92**	**19.03**

स्रोत- फील्ड सर्वेक्षण

चित्र 2.11: आईटीआई से शिक्षित प्रतिभागी

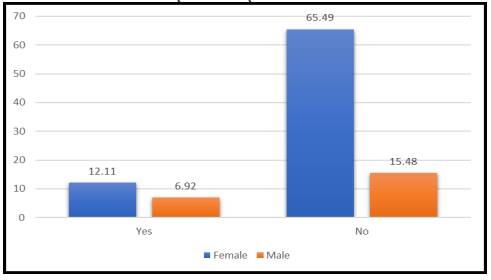

अध्याय 3

गांव में उपलब्ध अधोसंरचना सुविधाएं

इस अध्याय का उद्देश्य गांव की बुनियादी सुविधाओं और प्रतिभागियों द्वारा सामना की जाने वाली समस्याओं एवं चुनौतियों का विश्लेषण करना है।

इंटरनेट कनेक्टिविटी

तालिका 3.1 गाँव से इंटरनेट की कनेक्टिविटी को दर्शाती है और यह संक्षेप में कहा जा सकता है कि गाँव में अच्छी इंटरनेट कनेक्टिविटी है और गाँव में उपलब्ध इंटरनेट की गति 4 जी है।

तालिका 3.1: गांव में इंटरनेट कनेक्टिविटी

		लिंग		कुल
		महिला	पुरुष	
गांव में इंटरनेट कनेक्टिविटी	हाँ	65.23	19.68	84.91
	नहीं	12.37	2.72	15.09
कुल		**77.6**	**22.4**	**100.00**
रफ़्तार	3 जी	9.62	3.45	13.07
	4 जी	55.61	16.23	71.84
कुल		**65.23**	**19.68**	**84.91**

स्रोत- फील्ड सर्वेक्षण

चित्र 3.1: गांव में इंटरनेट कनेक्टिविटी

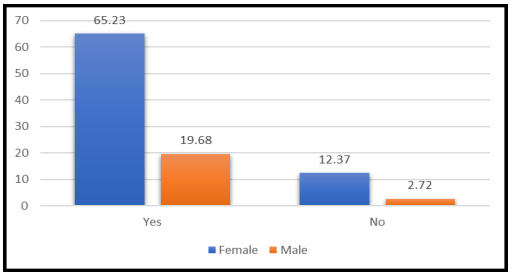

चित्र 3.1.1: गांव में इंटरनेट कनेक्टिविटी की गति

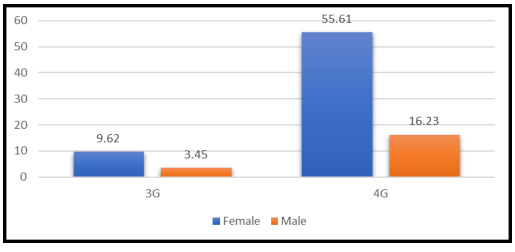

इंटरनेट का उपकरण और इसका उपयोग करने के उद्देश्य

तालिका 3.2 इंटरनेट के उपकरणों और इनका उपयोग करने के उद्देश्यों को दर्शाती है और यह देखा जा सकता है कि अधिकांश प्रतिभागी मोबाइल फोन का उपयोग करते हैं और कुछ प्रतिशत प्रतिभागी इंटरनेट का उपयोग

करने के लिए कंप्यूटर और टैबलेट का उपयोग करते हैं। यह भी देखा जा सकता है कि अधिकांश प्रतिभागी इंटरनेट का उपयोग शिक्षा के लिए करते हैं और उसके बाद संचार के लिए करने वालों की संख्या है।

तालिका 3.2: इंटरनेट का उपयोग करने का उपकरण और उद्देश्य

		लिंग		कुल
		महिला	पुरुष	
इंटरनेट का उपयोग करने के लिए उपकरण	मोबाइल	65.50	20.70	86.20
	कंप्यूटर	3.40	1.70	5.20
	टैबलेट	1.70	0.00	1.70
	कोई अन्य	6.90	0.00	6.90
कुल		**77.60**	**22.40**	**100.00**
उद्देश्य	संचार	29.30	6.90	36.20
	शिक्षा	36.20	13.80	50.00
	मनोरंजन	8.60	1.70	10.30
	कोई जवाब नहीं	3.40	0.00	3.40
कुल		**77.60**	**22.40**	**100.00**

स्रोत- फील्ड सर्वेक्षण

चित्र 3.2: इंटरनेट का उपयोग करने का उपकरण और उद्देश्य

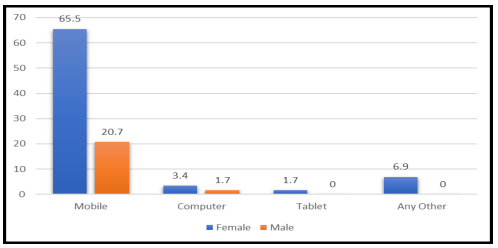

गांव में इंटरनेट टावर

गाँव में मौजूद इंटरनेट टावरों की संख्या को तालिका 3.3 से चित्रित किया जा सकता है और यह कहा जा सकता है कि गाँव में 3-4 इंटरनेट टॉवर हैं।

तालिका 3.3: गांव में इंटरनेट टावर

		लिंग		कुल
		महिला	पुरुष	
गांव में इंटरनेट टावरों की संख्या	3-4	75.90	22.40	98.30
	5-6	1.70	0.00	1.70
कुल		**77.60**	**22.40**	**100.00**

स्रोत- फील्ड सर्वेक्षण

चित्र 3.3: गांव में इंटरनेट टावरों

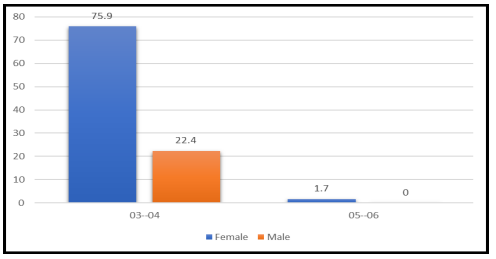

शौचालय सुविधाओं तक पहुंच

तालिका 3.4 प्रतिभागियों की शौचालय सुविधाओं तक पहुंच को दर्शाती है जो सारांशित करती है कि अधिकांश प्रतिभागियों के पास शौचालय सुविधाओं तक पहुंच है; अधिकांश प्रतिभागी निजी (घर में) शौचालयों का उपयोग करते हैं और उसके बाद सार्वजनिक शौचालयों का उपयोग करने वालों की संख्या है।

तालिका 3.4: गांव में शौचालय की सुविधा तक पहुंच

		लिंग		कुल
		महिला	पुरुष	
शौचालय सुविधाओं तक पहुंच	हाँ	74.11	22.40	96.51
	नहीं	3.49	0.00	3.49
कुल		**77.6**	**22.4**	**100.00**
सुलभ शौचालयों का प्रकार	निजी (घर में)	53.40	17.20	70.60
	सार्वजनिक शौचालय	20.71	5.20	25.90
कुल		**74.11**	**22.40**	**96.51**

स्रोत- फील्ड सर्वेक्षण

चित्र 3.4: गांव में शौचालय की सुविधा तक पहुंच

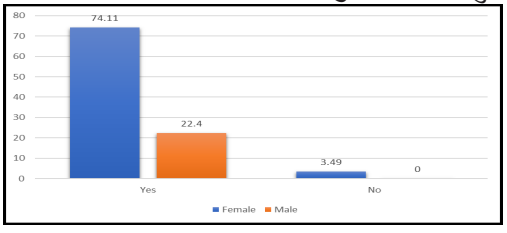

चित्र 3.4.1: सुलभ शौचालयों का प्रकार

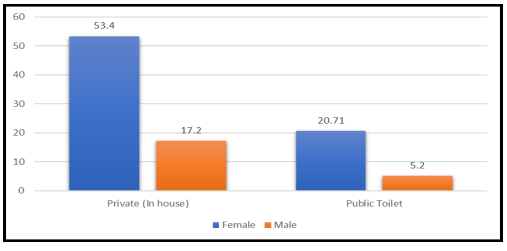

पेयजल उपलब्धता

तालिका 3.5 प्रतिभागियों के बीच पेयजल की उपलब्धता को दर्शाती है। यह देखा जा सकता है कि अधिकांश प्रतिभागी अपने घरों में उपलब्ध मौजूद हैंडपंप का उपयोग करते हैं और उसके बाद नल से पानी पाने वालों की संख्या है।

तालिका 3.5: पेयजल उपलब्धता

		लिंग		कुल
		महिला	पुरुष	
पीने का पानी लाया	घर का हैंड पंप	62.1	22.4	84.5
	घर में नल	6.9	0.0	6.9
	कुंआ	8.6	0.0	8.6
	कुल	**77.6**	**22.4**	**100.0**

स्रोत- फील्ड सर्वेक्षण

चित्र 3.5: पेयजल की उपलब्धता

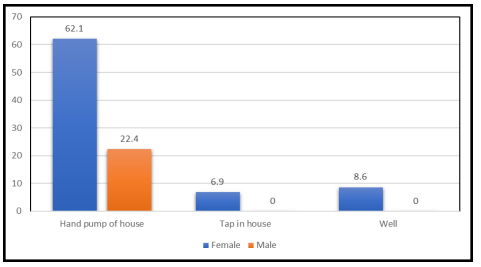

आस-पास उपलब्ध शैक्षणिक संस्थान

तालिका 3.6 प्रतिभागी के घर के आस-पास उपलब्ध शैक्षिक संस्थानों के बारे में जानकारी का गठन करती है और यह संक्षेप में कहा जा सकता है कि अधिकांश प्रतिभागियों के घरों के पास शिक्षण संस्थान उपलब्ध हैं।

तालिका 3.6: प्रतिभागी के घर के पास उपलब्ध शैक्षणिक संस्थान

		लिंग		कुल
		महिला	पुरुष	
घर के पास शैक्षणिक संस्थान की उपलब्धता	हाँ	55.9	20.37	76.27
	नहीं	21.7	2.03	23.73
कुल		**77.6**	**22.4**	**100.00**

स्रोत- फील्ड सर्वेक्षण

चित्र 3.6: प्रतिभागी के घर के पास उपलब्ध शैक्षणिक संस्थान

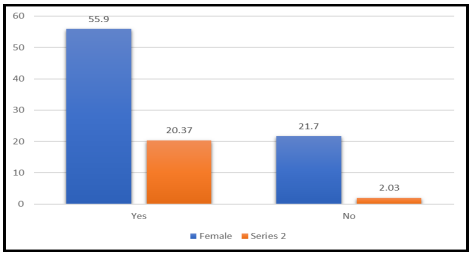

बच्चों की ऑनलाइन शिक्षा तक पहुंच

तालिका 3.7 यह रेखांकित करती है कि अधिकांश प्रतिभागी के बच्चों की ऑनलाइन शिक्षा तक पहुंच है और जिनके पास पहुंच है उनमें से अधिकांश को इसे एक्सेस करते समय कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।

तालिका 3.7: बच्चों की ऑनलाइन शिक्षा तक पहुंच

		लिंग		कुल
		महिला	पुरुष	
बच्चों की ऑनलाइन शिक्षा तक पहुंच है	हाँ	49.42	17.17	66.59
	नहीं	28.18	5.23	33.41
कुल		**77.60**	**22.40**	**100.00**
एक्सेस करते समय कठिनाई का सामना करना पड़ा	हाँ	31.11	11.06	42.17
	नहीं	18.31	6.11	24.42
कुल		**49.42**	**17.17**	**66.59**

स्रोत- फील्ड सर्वेक्षण

चित्र 3.7: बच्चों की ऑनलाइन शिक्षा तक पहुंच

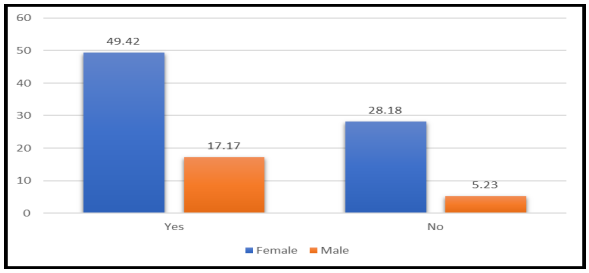

एमएसएमई और रोजगार

तालिका 3.8 के अनुसार अधिकांश प्रतिभागियों ने जवाब दिया है कि उन्होंने अपने गांव में एमएसएमई को संचालित होते देखा है और अधिकांश ने जवाब दिया है कि वे ग्रामीणों के लिए लाभकारी रोजगार के अवसर पैदा करते हैं।

तालिका 3.8: एमएसएमई और गांव में रोजगार

		लिंग		कुल
		महिला	पुरुष	
गांव में सूक्ष्म, लघु या मध्यम उद्यम	हाँ	65.5	21.37	86.87
	नहीं	12.10	1.03	13.13
कुल		**77.60**	**22.40**	**100.00**
लाभकारी रोजगार के अवसर पैदा करने वाले एमएसएमई	हाँ	50.00	20.34	70.34
	नहीं	15.50	1.03	16.53
कुल		**65.50**	**21.37**	**86.87**

स्रोत- फील्ड सर्वेक्षण

चित्र 3.8: गांव में सूक्ष्म, लघु या मध्यम उद्यम

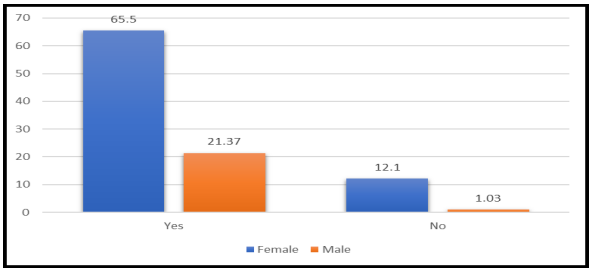

अध्याय 4
समस्याओं की पहचान

इस अध्याय का उद्देश्य प्रतिभागियों की पृष्ठभूमि, व्यक्तिगत जीवन और बुनियादी ढांचे के विभिन्न पहलुओं से संबंधित समस्याओं और चुनौतियों का विश्लेषण करना है। यह समस्याओं की प्रकृति और स्तर को समझने में मदद करेगा और इसके समाधान खोजने के लिए मार्गदर्शन करेगा।

पानी की उपलब्धता से संबंधित समस्या

तालिका 4.1 पानी की उपलब्धता से संबंधित प्रतिभागियों के सामने आने वाली समस्या के बारे में जानकारी देती है और यह कहा जा सकता है कि अधिकांश प्रतिभागियों को पानी की उपलब्धता के संबंध में समस्याओं का सामना करना पड़ता है।

तालिका 4.1: पानी की उपलब्धता से संबंधित समस्या

		लिंग		कुल
		महिला	पुरुष	
पानी की उपलब्धता के लिए समस्या का सामना	हाँ	62.10	20.70	82.80
	नहीं	15.50	1.70	17.20
Total		**77.60**	**22.40**	**100.00**

स्रोत- फील्ड सर्वेक्षण

चित्र 4.1: पानी की उपलब्धता से संबंधित समस्या

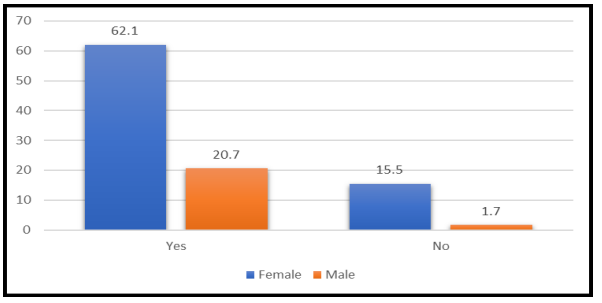

गांव के भीतर और बाहर आने-जाने में हो रही समस्या

तालिका 4.2 गाँव के भीतर और बाहर आने-जाने में प्रतिभागियों की समस्याओं का वर्णन करती है। यह देखा जा सकता है कि अधिकांश प्रतिभागियों ने जवाब दिया है कि उन्हें गाँव के भीतर और बाहर आने-जाने में समस्या होती है।

तालिका 4.2: गांव के भीतर और बाहर आने-जाने में हो रही समस्या

		लिंग		कुल
		महिला	पुरुष	
गांव के भीतर और बाहर आने-जाने में हो रही समस्या	हाँ	72.40	20.70	93.10
	नहीं	5.20	1.70	6.90
Total		**77.60**	**22.40**	**100.00**

स्रोत- फील्ड सर्वेक्षण

चित्र 4.2: गांव के भीतर और बाहर आने-जाने में हो रही समस्या

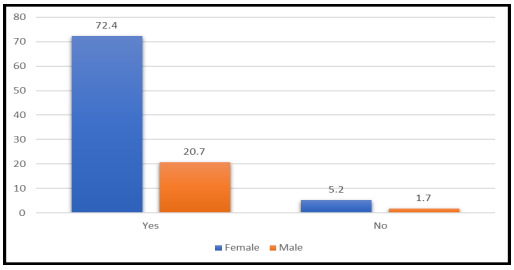

भूमि जोत के संबंध में विवाद

तालिका 4.3 प्रतिभागियों के भूमि जोत के संबंध में विवादों को परिभाषित करती है और यह देखा जा सकता है कि अधिकांश उत्तरदाताओं ने बताया है कि उन्हें अपनी भूमि जोत के संबंध में विवादों का सामना करना पड़ा है।

तालिका 4.3: भूमि जोत के संबंध में विवाद

		लिंग		कुल
		महिला	पुरुष	
भूमि जोत के संबंध में विवाद	हाँ	62.10	19.00	81.00
	नहीं	15.50	3.40	19.00
Total		**77.60**	**22.40**	**100.00**

स्रोत- फील्ड सर्वेक्षण

चित्र 4.3: भूमि जोत के संबंध में विवाद

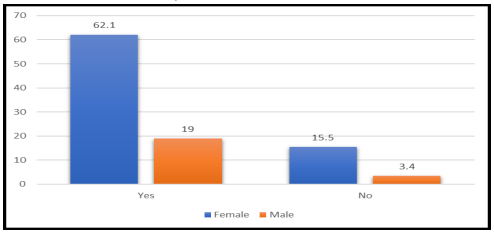

बिजली की उपलब्धता के संबंध में समस्याएं

तालिका 4.4 से यह बताया जा सकता है कि अधिकांश प्रतिभागियों को अपने गांव में बिजली की उपलब्धता के संबंध में समस्या का सामना करना पड़ा है।

तालिका 4.4: बिजली की उपलब्धता से संबंधित समस्याएं

		लिंग		कुल
		महिला	पुरुष	
बिजली की उपलब्धता से संबंधित समस्याएं	हाँ	60.36	17.18	77.54
	नहीं	17.24	5.22	22.46
कुल		**77.6**	**22.4**	**100.00**
यदि हाँ, तो कृपया वर्णन करें	बिजली की समस्या	19.13	12.07	31.2
	कम समय के लिए उपलब्धता	41.23	5.11	46.34
कुल		**60.36**	**17.18**	**77.54**

स्रोत- फील्ड सर्वेक्षण

चित्र 4.4: बिजली की उपलब्धता के संबंध में समस्याएं

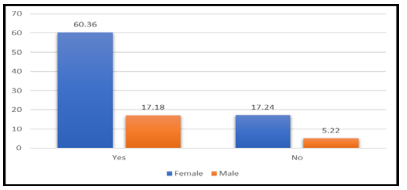

घरेलू हिंसा

तालिका 4.5 घरेलू हिंसा का सामना करने वाले और रिपोर्ट करने वाले प्रतिभागियों के बारे में विवरण प्रस्तुत करती है। यह कहा जा सकता है कि अधिकांश प्रतिभागियों ने अपने जीवन में किसी समय किसी न किसी प्रकार की घरेलू हिंसा का सामना किया है और यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि अधिकांश प्रतिभागियों ने हिंसा की रिपोर्ट करने का विकल्प चुना।

तालिका 4.5: घरेलू हिंसा

		लिंग		कुल
		महिला	पुरुष	
घरेलू हिंसा का सामना करना पड़ा	हाँ	67.23	17.19	84.42
	नहीं	10.37	5.21	15.58
कुल		**77.60**	**22.40**	**100.00**
उस की सूचना दी	हाँ	55.12	11.88	67.00
	नहीं	12.11	5.31	17.42
कुल		**67.23**	**17.19**	**84.42**

स्रोत- फील्ड सर्वेक्षण

चित्र 4.5: घरेलू हिंसा

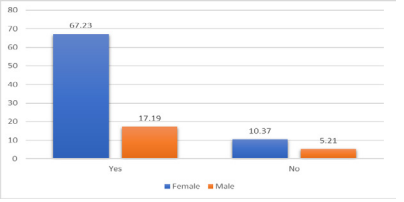

बाल श्रम

तालिका 4.6 से यह रेखांकित किया जा सकता है कि शिविर के अधिकांश प्रतिभागियों ने अपने गाँव में बाल श्रम देखा है और यह भी ध्यान दिया जाना चाहिए कि उनमें से अधिकांश ने बाल श्रम प्रथाओं की रिपोर्ट करने का विकल्प चुना।

तालिका 4.6: बाल श्रम

		लिंग		कुल
		महिला	पुरुष	
गांव में देखा बाल श्रम	हाँ	72.4	21.17	93.57
	नहीं	5.2	1.23	6.43
कुल		**77.60**	**22.40**	**100.00**
उस की सूचना दी	हाँ	65.79	17.42	83.21
	नहीं	6.61	3.75	10.36
कुल		**72.40**	**21.17**	**93.57**

स्रोत- फील्ड सर्वेक्षण

चित्र 4.6: गाँव में बाल श्रम देखा

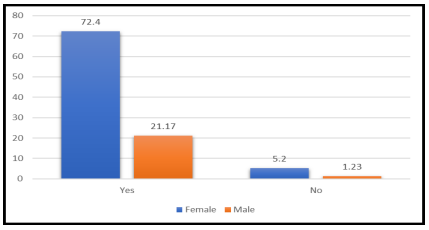

गांव में उपलब्ध चिकित्सा सुविधाओं तक पहुंचने में कठिनाई

तालिका 4.7 के अनुसार शिविर के अधिकांश प्रतिभागियों ने बताया कि उन्हें गाँव में उपलब्ध चिकित्सा सुविधाओं तक पहुँचने में कठिनाई का सामना करना पड़ा है।

तालिका 4.7: गाँव में उपलब्ध चिकित्सा सुविधाओं तक पहुँचने में कठिनाई

		लिंग		कुल
		महिला	पुरुष	
गाँव में उपलब्ध चिकित्सा सुविधाओं तक पहुँचने में कठिनाई	हाँ	56.89	16.17	73.06
	नहीं	20.51	6.23	26.74
कुल		**77.40**	**22.40**	**100.00**

स्रोत- फील्ड सर्वेक्षण

चित्र 4.7: गाँव में उपलब्ध चिकित्सा सुविधाओं तक पहुँचने में कठिनाई

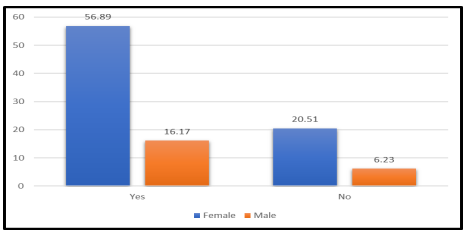

बुनियादी ढांचे से संबंधित चुनौतियां

तालिका 4.8 शिविर के प्रतिभागियों द्वारा सामना की जाने वाली ढांचागत चुनौतियों के बारे में जानकारी को दर्शाती है और यह देखा जा सकता है कि अधिकांश प्रतिभागियों ने बताया है कि टूटी सड़कों और ढह गए सार्वजनिक भवनों के कारण उन्हें ढांचागत चुनौतियों का सामना करना पड़ता है।

तालिका 4.8: बुनियादी ढांचे से संबंधित चुनौतियाँ

		लिंग		कुल
		महिला	पुरुष	
बुनियादी ढांचे से संबंधित चुनौतियाँ	टूटी सड़कें	34.50	13.80	48.30
	ढह गए सार्वजनिक भवन	39.70	8.60	48.30
	कोई और	3.40	0.00	3.40
कुल		**77.60**	**22.40**	**100.00**

स्रोत- फील्ड सर्वेक्षण

चित्र 4.8: बुनियादी ढांचे से संबंधित चुनौतियाँ

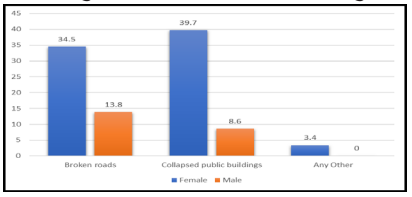

सरकार की योजनाओं तक पहुंचने में समस्या

तालिका 4.9 सरकार की योजनाओं तक पहुँचने के दौरान प्रतिभागियों के सामने आने वाली समस्याओं को दर्शाती है और यह कहा जा सकता है कि अधिकांश प्रतिभागियों को सरकार की योजनाओं तक पहुँचने में समस्या का सामना नहीं करना पड़ा।

तालिका 4.9: सरकार की योजनाओं तक पहुँचने में समस्या

		लिंग		कुल
		महिला	पुरुष	
सरकार की योजनाओं तक पहुंचने में समस्या	हाँ	27.60	3.40	31.00
	नहीं	50.00	19.00	69.00
कुल		**77.60**	**22.40**	**100.00**

स्रोत- फील्ड सर्वेक्षण

चित्र 4.9: सरकार की योजनाओं तक पहुँचने में समस्या

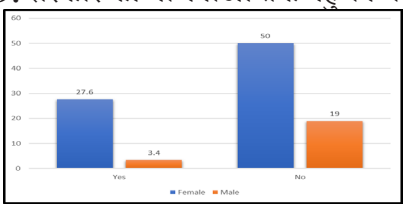

स्कूल छोड़ने वाले बच्चे

तालिका 4.10 में प्रतिभागी के उन बच्चों को दर्शाया गया है जिन्होंने स्कूल छोड़ दिया और इसका विश्लेषण किया जा सकता है कि कुछ प्रतिभागियों के बच्चों ने स्कूल छोड़ दिया और इसका कारण आर्थिक तंगी है।

तालिका 4.10: स्कूल छोड़ने वाले बच्चे

		लिंग		कुल
		महिला	पुरुष	
बच्चों को स्कूल छोड़ दिया	हाँ	35.16	12.63	47.79
	नहीं	42.44	9.77	52.21
कुल		**77.60**	**22.40**	**100.00**
छोड़ने का कारण	आय की समस्या	35.16	12.63	47.79

स्रोत- फील्ड सर्वेक्षण

चित्र 4.10: स्कूल छोड़ने वाले बच्चे

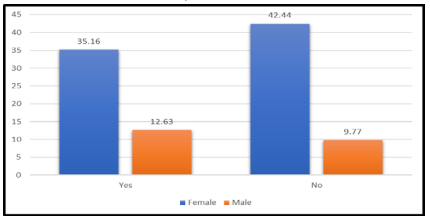

अध्याय 5

अवैतनिक कार्य का पता लगाना

इस अध्याय का उद्देश्य दैनिक गतिविधियों और विशेष रूप से प्रतिभागियों द्वारा चौबीसों घंटे में से विभिन्न गतिविधियों में बिताए गए समय को समझना है। इस अध्याय में प्रतिभागियों द्वारा किए गए उस काम, जिसके लिए उन्हें भुगतान नहीं मिलता है, को करने के लिए उनके द्वारा खर्च किए गए हर मिनट के विवरण को समझना और उसका पता लगाना शामिल हैं। हमने प्रतिभागियों द्वारा खर्च किए गए समय और उनकी गतिविधियों का ट्रैक रखने के लिए एक समय सर्वेक्षण का उपयोग किया है और परिणामों के लिए उसका विश्लेषण किया है।

तालिका 5.1: प्रति प्रतिभागी एक दिन में विभिन्न गतिविधियों में बिताया गया औसत समय (मिनटों में)

	लिंग	
गतिविधियों की प्रकृति	**महिला**	**पुरुष**
सफाई गतिविधियाँ	166	125
खाना पकाने की गतिविधियाँ	157	10
खेत और कृषि कार्य	127	430
बच्चों और बड़ों की देखभाल	157	105
अध्ययन और सीखना	95	90
सोना	402	395
यात्रा का समय	4	30
फसल की खेती, किचन गार्डनिंग आदि	87	35
पशुपालन	61	65
मत्स्य पालन, वानिकी, बागवानी	38	25
फल, पानी, पौधे, लकड़ी आदि प्राप्त करना	74	30
अनाज का प्रसंस्करण और भंडारण	8	0
सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियाँ, मास मीडिया, आदि।	21	30
व्यक्तिगत देखभाल और स्व-रखरखाव	48	70
कुल	1444	1440

नोट: पूर्णांकन के कारण आंकड़े 1440 तक नहीं जुड़ सकते हैं
स्रोत: समय सर्वेक्षण

चित्र: प्रति प्रतिभागी एक दिन में विभिन्न गतिविधियों में बिताया गया औसत समय (मिनटों में)

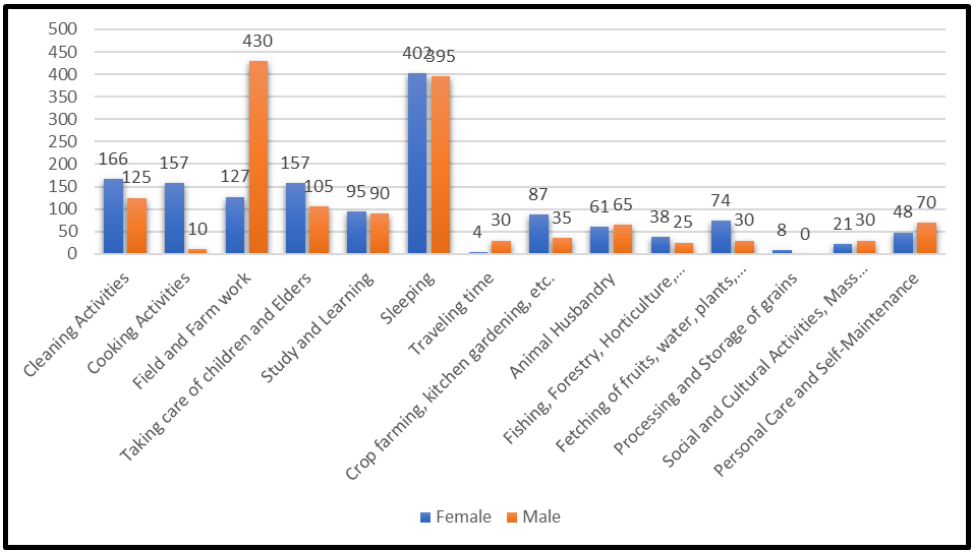

तालिका 5.1 से यह देखा जा सकता है कि सोने के अलावा महिलाओं ने एक दिन में औसतन 127 मिनट "खेत और कृषि कार्य" पर और 166 मिनट "अवैतनिक सफाई गतिविधियों" पर बिताया, जबकि इन गतिविधियों पर पुरुषों द्वारा बिताया गया औसत समय क्रमशः 430 मिनट प्रति दिन और 125 मिनट प्रति दिन था।

महिलाओं द्वारा "खाना पकाने की गतिविधियों" पर बिताया गया औसत समय 157 मिनट है, जबकि पुरुष उस कार्य पर केवल 10 मिनट खर्च करते हैं। महिलाओं द्वारा एक दिन में औसतन 157 मिनट "बच्चों और बड़ों की अवैतनिक देखभाल" के लिए खर्च किए गए, जबकि पुरुषों द्वारा उस गतिविधि पर 105 मिनट खर्च किए गए।

अन्य गतिविधियों जैसे "पशुपालन" और "फल, पानी, पौधे, लकड़ी आदि को प्राप्त करना" में पुरुषों की तुलना में अधिक महिला भागीदारी देखी गई।

नतीजतन, यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि पुरुषों की तुलना में महिलाएं अवैतनिक कार्यों में अधिक समय व्यतीत करती हैं। पुरुष अपना अधिकांश समय सवेतन गतिविधियों में बिताते हैं और अक्सर परिवार के प्राथमिक कमाने वाले होते हैं।

अध्याय 6

मामला अध्ययन

प्रारंभिक	ई-ग्रामीण शिविर विभिन्न हितधारकों को प्रतिभागियों से बातचीत करने और ज्ञान प्रदान करने में मदद करते हैं। इसका उद्देश्य प्रतिभागियों के लाभ के लिए विभिन्न योजनाओं, कोड, प्रोग्रामर आदि का वर्णन करना है।
परिचय और पृष्ठभूमि	इस ई-ग्रामीण शिविर के मूल उद्देश्य थे - योजनाओं का विस्तार से वर्णन करना, उसके बाद प्रतिभागियों द्वारा सामना की जाने वाली समस्याओं को समझना और उनके कारण खोजने का प्रयास करना।
क्रियाविधि	ग्रामीण शिविर के प्रत्येक सत्र में प्रतिभागियों को अपने कौशल का उपयोग करना सिखाया गया जिससे उन्हें सभी 4 श्रम संहिताओं को समझने में मदद मिली। जमीनी स्तर पर स्थानीय प्रगणक द्वारा ई-कैंप के दौरान गहन भागीदारी दृष्टिकोण के माध्यम से एकत्रित मामला अध्ययन के माध्यम से प्रतिभागियों की समस्याओं और चुनौतियों को देखने का प्रयास किया गया था। प्रतिभागियों को अपनी समस्याओं की पहचान करने और जो इस विषय एवं वर्णित मामलों पर वैकल्पिक रणनीतियों को खोजने के लिए प्रोत्साहित किया गया।
केस 1	मेरा नाम सुखिया है, और मैं अपने पति के साथ उंडला मनोर में रहती हूँ, जिनके पास एक फल गाड़ी है और जो एक बहुत ही गरीब परिवार से हैं। हमें ग्राम प्रधान से कोई सुख-साधन, जैसे कि उचित बिजली, सड़क या हैंडपंप नहीं मिले। सरकार को ऐसी कोई व्यवस्था बनानी चाहिए जिससे लोगों को सीधे और पारदर्शी तरीके से फायदा हो। हम एक झोंपड़ी में रहते हैं और बरसात के मौसम में बहुत परेशानी होती है जब हमारी छतों से पानी टपकता है और हमें बैठकर रात बीतने का इंतजार करना पड़ता है। सरकार द्वारा प्रदत्त आवास के संदर्भ में, हमने ग्राम प्रधान से पूछा कि क्या ऐसी कोई परियोजना है जो गरीबों को घर प्रदान कर सकती है, जिस पर गाँव के मुखिया ने सकारात्मक प्रतिक्रिया नहीं दी। कहा गया कि लोगों को यह प्रदान किया जाएगा, लेकिन हमें पिछले दस वर्षों में किसी भी ग्राम प्रधान से कोई बुनियादी सेवाएं नहीं मिली हैं। हम आशा करते हैं कि यदि सरकार या यह शिविर गरीब लोगों को कोई कार्यक्रम या लाभ प्रदान करता है, तो हम आपकी सहायता करने में सक्षम होंगे। शिविर प्रबंधकों ने हमें बताया कि आप एक श्रमिक कार्ड के लिए आवेदन कर सकते हैं, और इससे जो भी योजनाएँ बनती हैं, आपको व्यक्तिगत रूप से सूचित किया जाएगा, और यह कि आपको वह नौकरी प्रदान की जाएगी जिसके लिए आप पात्र हैं। सुखिया, उंडला जागीर, बरेली, उत्तर प्रदेश

केस 2	मेरा नाम आशिमा है, और मैं उंडला जागीर में रहती हूँ जो बरेली क्षेत्र का हिस्सा है। मेरे पति हथकरघा कारखाने में काम करते हैं, लेकिन कोविड-19 के बाद से हमारे सामने बहुत सारी समस्याएं हैं और हमारी आर्थिक स्थिति दिन-ब-दिन बिगड़ती जा रही है। मेरे परिवार में आठ सदस्य हैं, और केवल मेरे पति ही काम करते हैं। वह प्रति दिन केवल 470 डॉलर कमाते हैं, इस प्रकार पूरा परिवार उनके वेतन से गुजारा करने में असमर्थ है। हम प्रस्ताव करना चाहते हैं कि भारत सरकार हमारी लड़कियों और महिलाओं को इस तरह का प्रशिक्षण प्रदान करे ताकि वे आत्मनिर्भर बन सकें और अपने परिवार का समर्थन करने में सक्षम हो सकें। हमने वी. वी. गिरि राष्ट्रीय श्रम संस्थान द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में भाग लिया और हमें सभी आयोजकों से सारी जानकारी प्राप्त हुई। हम अपनी उंडला हवेली में कढ़ाई का कार्य करती हैं, और इसमें शामिल सभी महिलाएं अपने घरों से श्रम करती हैं। हमारे गांव में जरी का काम भी उच्च स्तर पर हो रहा है। आपको जरी कार्ड के माध्यम से रोजगार दिया जाएगा, लेकिन हमें अभी तक उस जरी के काम से कोई लाभ नहीं मिला है। नतीजतन, हम अनुरोध कर रहे हैं कि सरकार पारदर्शी तरीके से कार्यक्रम और लाभ दें। आशिमा, उंडला जागीर, बरेली
परिणाम	उपर्युक्त मामलों से यह देखा गया है कि साक्षरता, प्रशिक्षण और रोजगार के अवसरों के अभाव में उंडला जागीर के लोगों को अपने परिवार और खुद का पेट पालना मुश्किल हो रहा है। यदि उन्हें अवसर मिले तो वे कमा सकते हैं और अपने परिवार का समर्थन कर सकते हैं।
सारांश और मूल्यांकन	यह पाया गया कि रोजगार के अवसरों की कमी थी, गाँव में पक्की सड़क, स्ट्रीट लाइटिंग, शैक्षिक केंद्र आदि जैसी ढांचागत चुनौतियों की भी पहचान की गई थी।
निष्कर्ष	उपरोक्त मामला अध्ययनों का विश्लेषण करते समय भूमि जोत, रोजगार के कम अवसर, कमजोर वर्गों के उत्पीड़न, तीव्र गरीबी आदि से संबंधित मुद्दे सामने आए। ग्रामीण जनता में श्रम संहिताओं के बारे में जागरूकता पैदा करना महत्वपूर्ण है क्योंकि केवल संहिताएं और विधान ही ग्रामीण भारत की जटिल समस्याओं का समाधान नहीं कर सकते हैं।
भविष्य के लिए सिफारिशें	ग्रामीण गरीबों को खुद को संगठित करने में सक्षम होना चाहिए। ग्रामीण भारत में प्रचलित गरीबी क्षेत्रों में उपलब्ध सीमित संसाधनों पर दबाव का परिणाम हो सकती है। एमएसएमई या अन्य संगठन/कारखाने बनाकर रोजगार की समस्याओं से निपटा जा सकता है और बोझ को ग्रामीण क्षेत्र के कृषि- संबद्ध क्षेत्र में स्थानांतरित किया जा सकता है। ग्रामीण क्षेत्र में उपलब्ध संसाधनों का भी संगठित तरीके से उपयोग किया जाना चाहिए।
अंत मामला	आबादी की प्रगति स्वयं को कौशलयुक्त बनाने की क्षमता में निहित है। ग्रामीण संगठन अर्थव्यवस्था और देश को मजबूत बनाने के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं।

अध्याय 7

निष्कर्ष और सिफ़ारिश

- श्रम शिविर में भाग लेने वालों के समूह में पुरुष और महिला (लगभग 6:4 अनुपात में) दोनों शामिल थे। उनमें से अधिकांश बेरोजगार थे और केवल प्राथमिक स्तर तक ही शिक्षित थे जबकि अधिकांश महिलाएं अशिक्षित थीं।
- प्रतिभागियों के पास आधार और मनरेगा कार्ड जैसे बुनियादी दस्तावेज हैं, उन्होंने बैंकिंग सेवाओं का उपयोग किया है और वे गांव के विकास कार्यक्रमों से अवगत हैं। अधिकांश महिला प्रतिभागियों के पास अपनी जमीन है।
- उत्तर प्रदेश के बरेली जिले के उंडला जागीर गांव में अच्छा इंटरनेट कनेक्शन और 3-4 इंटरनेट टावर थे। प्रतिभागियों के पास शौचालय और पीने के पानी की सुविधा थी। उनके पास ऑफ़लाइन शैक्षणिक संस्थानों तक पहुंच नहीं थी, लेकिन कोविड-19 के दौरान ऑनलाइन शिक्षा तक उनकी अच्छी पहुंच थी। गांव में एमएसएमई हैं लेकिन वे रोजगार के पर्याप्त अवसर पैदा नहीं करते हैं।
- समस्या की पहचान ने ई-शिविर में एक प्रमुख भूमिका निभाई। प्रतिभागियों की समस्याओं और चुनौतियों को दो तकनीकों का उपयोग करके देखा गया; पहली तकनीक समस्या पहचान प्रश्नावली और दूसरी समस्या पहचान सत्र, जो शिविर के तीन दिनों तक जारी रही। यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि प्रतिभागियों की पहचानी गई प्रमुख समस्याओं में गांव के भीतर और बाहर आने-जाने में कठिनाई क्योंकि पक्की/कंक्रीट सड़कों का निर्माण नहीं किया गया था, घरेलू हिंसा, पक्का घर न होना, गाँव में सीनियर सेकेंडरी स्कूलों की अनुपलब्धता, स्कूल घरों से दूर होना आदि हैं। लेकिन प्रमुख चिंता कोविड -19 के दौरान रोजगार और मनरेगा रोजगार के अवसरों की कमी है।
- यह भी निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि महिलाएं अपना अधिकांश समय अवैतनिक गतिविधियों में व्यतीत करती हैं जबकि पुरुष अपना अधिकांश समय सवेतन गतिविधियों में व्यतीत करते हैं।
- उन समस्याओं, जिन पर तीन दिनों के दौरान चर्चा की गई, को गहराई से समझने के लिए ग्राम प्रधान के साथ शिविर के बाद एक बैठक भी की गई। इसलिए, ई-शिविर के सभी प्रमुख कर्मियों के प्रयास से गाँव में और अधिक स्कूल, विशेष रूप से सीनियर सेकेंडरी स्कूल बनाने की सिफारिश की गई। एक भूमि की पहचान की जानी चाहिए और पूरे गांव के लिए एक सार्वजनिक विवाह हॉल बनाने के लिए प्रदान किया जाना चाहिए। रोजगार के अवसरों की कमी गांव में एक सतत समस्या थी, प्रतिभागियों को कार्य की दुनिया में नए अवसरों के बारे में सूचित करने के लिए प्रतिभागियों को "ई-श्रम" और राष्ट्रीय करियर सर्विस पोर्टल से परिचित कराया गया था।
- शिविर में सरकार की विभिन्न योजनाओं पर सत्र शामिल थे जो गरीबों को आवास के प्रावधान के लिए आवास योजना, व्यावसायिक यौन शोषण के लिए तस्करी के पीड़ितों के पुनर्वास और पुन: एकीकरण के लिए उज्ज्वला योजना, बालिका कल्याण सेवाओं के संबंध में जागरूकता पैदा करने और दक्षता में सुधार करने के लिए बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना से संबंधित चुनौतियों पर काबू पाने के लिए उपयोगी थे। जिन बच्चों ने स्कूल छोड़ दिया है, उन्हें ग्राम प्रधान के सहयोग से आगे की पढ़ाई के लिए राष्ट्रीय मुक्त विद्यालय से जोड़ा गया।

अनुलग्नक 1– ई–शिविर का पहला दिन

अनुलग्नक 1.1

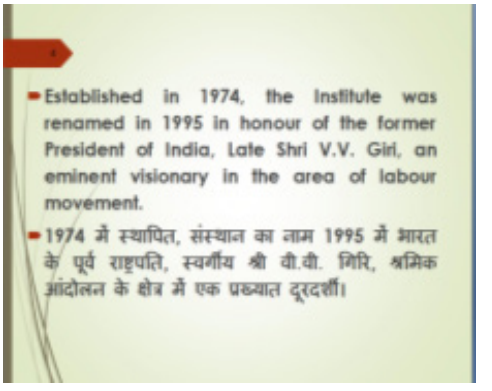

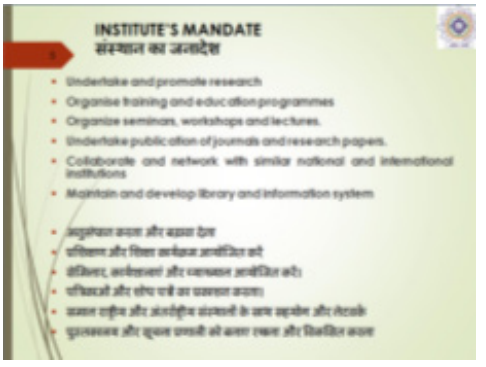

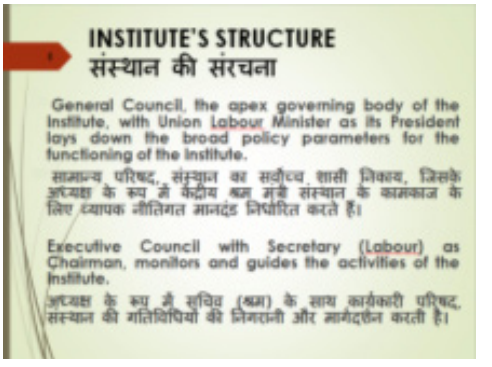

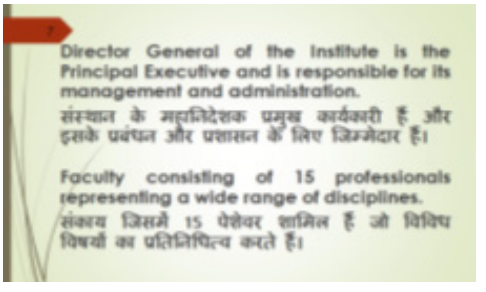

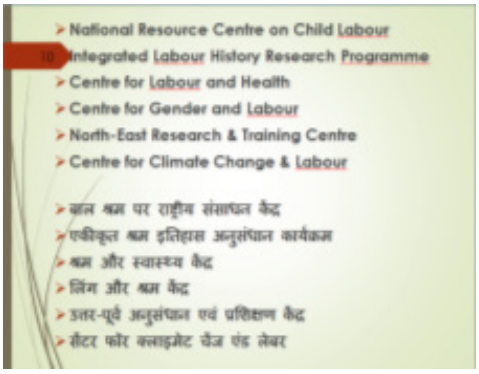

Research Centres
Centre for International Networking
Centre for Labour Market Studies
Centre for Employment Relations and Regulations
Centre for Agrarian Relations ,Rural Labour and Behavioural Studies
अंतर्राष्ट्रीय नेटवर्किंग केंद्र
श्रम बाजार अध्ययन केंद्र
रोजगार संबंध और विनियम केंद्र
कृषि संबंध, ग्रामीण श्रम और व्यवहार अध्ययन केंद्र

National Resource Centre on Child Labour
Integrated Labour History Research Programme
Centre for Labour and Health
Centre for Gender and Labour
North-East Research & Training Centre
Centre for Climate Change & Labour
बाल श्रम पर राष्ट्रीय संसाधन केंद्र
एकीकृत श्रम इतिहास अनुसंधान कार्यक्रम
श्रम और स्वास्थ्य केंद्र
लिंग और श्रम केंद्र
उत्तर-पूर्व अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केंद्र

TRAINING AND EDUCATION
प्रशिक्षण और शिक्षा

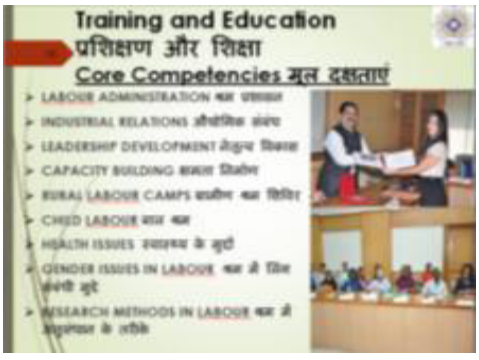

Training and Education
प्रशिक्षण और शिक्षा
Core Competencies मूल दक्षताएं
LABOUR ADMINISTRATION
INDUSTRIAL RELATIONS
LEADERSHIP DEVELOPMENT
CAPACITY BUILDING
RURAL LABOUR CAMPS
CHILD LABOUR
HEALTH ISSUES
GENDER ISSUES IN LABOUR
RESEARCH METHODS IN LABOUR

International Training Programmes
अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

International Training Programmes
अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम
International Training Programme on Skill Development and Employment Generation
International Training Programme on Labour & Employment Relations in a Global Economy

International Training Programme on Gender Issues in the World of Work
International Training Programme on Health Security and Protection of Workers

International Collaborations
अंतर्राष्ट्रीय सहयोग
MoU with Korea Labour Institute
कोरिया श्रम संस्थान के साथ समझौता ज्ञापन
SAARC Workshop on Child Labour
बाल श्रम पर सार्क कार्यशाला
MoU with Govt. of Afghanistan to organise specialised training programmes for Afghan Officials
अफगान अधिकारियों के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने के लिए अफगानिस्तान के सरकार के साथ समझौता ज्ञापन

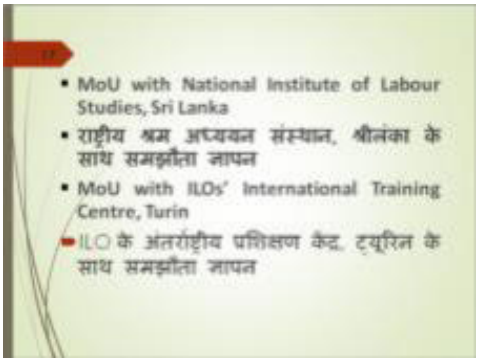

MoU with National Institute of Labour Studies, Sri Lanka
राष्ट्रीय श्रम अध्ययन संस्थान, श्रीलंका के साथ समझौता ज्ञापन
MoU with ILOs' International Training Centre, Turin
ILO के अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण केंद्र, ट्यूरिन के साथ समझौता ज्ञापन

Publications
प्रकाशन

Publications
Bi-annual Academic Journal dedicated to advancing the understanding of various aspects of labour through theoretical analysis and empirical investigation
Bi-monthly Journal reflecting on the latest case laws in the field of labour and industrial relations

Bi-monthly Hindi Journal containing gist of Supreme Court and High Court Cases
A bi-monthly Newsletter reflecting the activities of Institute in all areas (launched in January 2010)

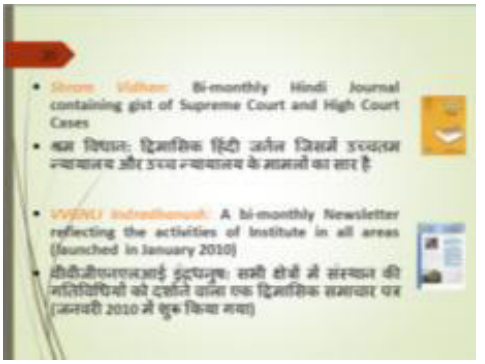

Publications प्रकाशन
is a quarterly Newsletter of the Institute. It is being brought out to pave way for ending child labour by reaching out to different sections of society, mobilizing their efforts in this direction
The Institute is also publishing a series entitled, NLI Research Studies Series, to disseminate the findings of the research activities of the Institute.

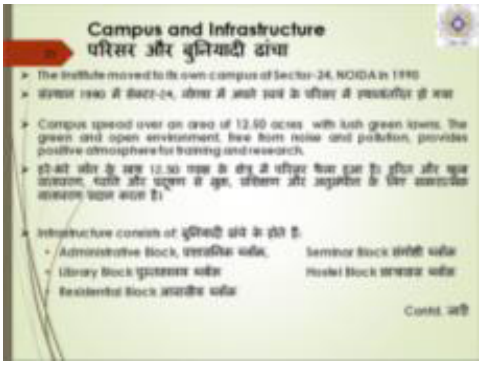

CAMPUS AND INFRASTRUCTURE
परिसर और बुनियादी ढांचा

Campus and Infrastructure
परिसर और बुनियादी ढांचा
The Institute moved to its own campus at Sector-24, NOIDA in 1990
Campus spread over an area of 12.50 acres with lush green lawns. The green and open environment, free from noise and pollution, provides positive atmosphere for training and research.
Administrative Block
Library Block
Residential Block
Seminar Block
Hostel Block
Contd.

Administrative Block
प्रशासनिक ब्लॉक
The Institute has an administrative block for faculty and administrative staff

Seminar Block
संगोष्ठी ब्लॉक
The Institute has seven air conditioned training halls which can accommodate approximately 250 trainees at one time. Every hall has audio-visual facility

Hostel Block छात्रावास ब्लॉक
The Institute has excellent hostel building with 99 fully furnished rooms with attached bath with independent balconies, dining halls, internet centre and recreational & gym facilities. Hostel rooms are air-conditioned and equipped with colour TVs and telephones.

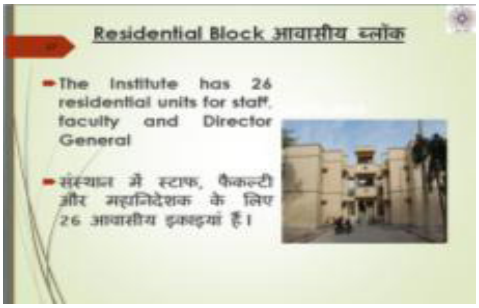
Residential Block आवासीय ब्लॉक
The Institute has 26 residential units for staff, faculty and Director General
संस्थान में स्टाफ, फैकल्टी और महानिदेशक के लिए 26 आवासीय इकाइयां हैं।

N.R. De Resource Centre on Labour Information
एन.आर. श्रम सूचना पर संसाधन केंद्र
Library Block पुस्तकालय ब्लॉक
Institute's Library is one of the most endowed resource centres on Labour information
65,000 Books and Bound Volumes

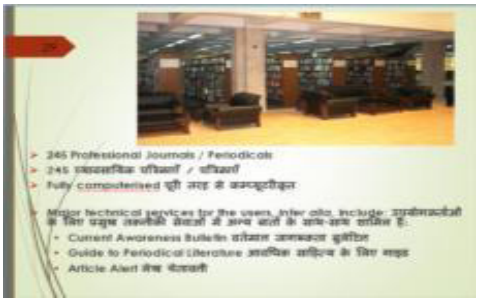
245 Professional Journals / Periodicals
245 व्यावसायिक पत्रिकाएँ / पत्रिकाएँ
Fully computerised पूरी तरह से कम्प्यूटरीकृत
Major technical services for the users, inter alia, include: उपयोगकर्ताओं के लिए प्रमुख तकनीकी सेवाओं में अन्य बातों के साथ-साथ शामिल हैं:
Current Awareness Bulletin वर्तमान जागरूकता बुलेटिन
Guide to Periodical Literature आवधिक साहित्य के लिए गाइड
Article Alert लेख चेतावनी

Faculty
Director General

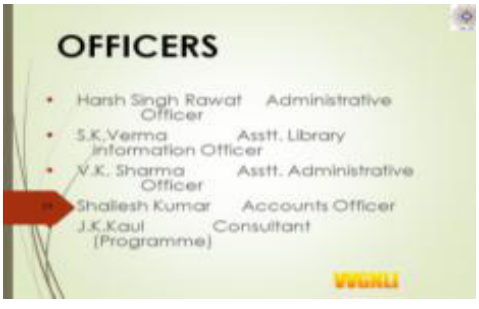
OFFICERS
Harsh Singh Rawat Administrative Officer
S.K.Verma Asstt. Library Information Officer
V.K. Sharma Asstt. Administrative Officer
Shailesh Kumar Accounts Officer
J.K.Kaul Consultant (Programme)

VISION AND MISSION OF THE INSTITUTE
संस्थान का विजन और मिशन
"A globally reputed institution and centre of excellence in labour research and training committed to enhancing the quality of work and work relations"

Thank You

अनुलग्नक 1.2

Understanding Self
स्वयं को समझना
Shashi Bala
शशि बाला

हार्दिक स्वागत!

स्वागत
हमें खुशी है, आप यहां हैं।

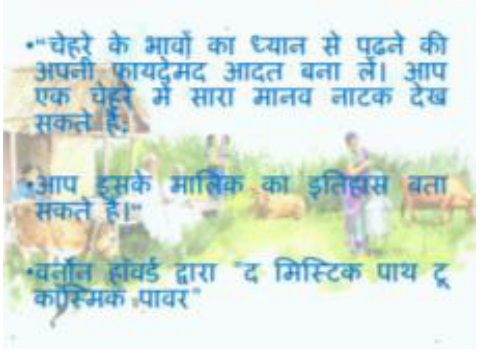
•"चेहरे के भावों का ध्यान से पढ़ने की अपनी फायदेमंद आदत बना लें। आप एक चेहरे में सारा मानव नाटक देख सकते हैं।
•आप इसके मालिक का इतिहास बता सकते हैं।"
•वर्नोन हॉवर्ड द्वारा "द मिस्टिक पाथ टू कॉस्मिक पावर"

•"आप जो कुछ भी चाहते हैं, आपके पास उसे पाने की शक्ति है। वह पुरुष या महिला जो शांति से और वास्तविक रूप से इस सत्य की अहमियत को स्वीकार करता है, जल्द ही खुद को अनोखी उपलब्धियों से कहीं अधिक प्राप्त कर पाएगा, जिसका उसने पहले सपना देखा था।
•वर्नोन हॉवर्ड द्वारा "द मिस्टिक पाथ टू कॉस्मिक पावर"।

WHO ARE YOU?
Think about it
आप कौन हैं?
इसके बारे में सोचो

1. अपने जुनून की खोज करें
बड़े होकर आप हमेशा क्या बनना चाहते थे?

Define Success
सफलता को समझाएँ -

Know your personality style
अपने व्यक्तित्व को जानें
WHAT IS YOUR PERSONALITY TYPE?

Set goals लक्ष्य बनाना

Think विचार करना

Operate with Integrity ईमानदारी के साथ काम करें

Execute कार्य को करना

Give back वापस देना

5 साल पहले
1 साल पहले
चार वर्ग
1 साल से अब तक
5 साल से अब तक

Smart goals लक्ष्य में समझदारी
S • Specific विशेष
M • Meaningful अर्थपूर्ण
A • Action Oriented • काम की तैयारी
R • Realistic वास्तविक
T • समय अनुमान

SWOT Analysis
Strengths शक्ति
Weaknesses कमजोरिया
Opportunities अवसरों
Threats डर

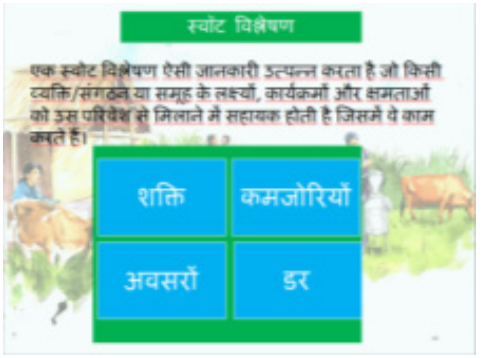
स्वोट विश्लेषण
एक स्वोट विश्लेषण ऐसी जानकारी उत्पन्न करता है जो किसी व्यक्ति/संगठन या समूह के लक्ष्यों, कार्यक्रमों और क्षमताओं को उस परिवेश से मिलाने में सहायक होती है जिसमें वे काम करते हैं।
शक्ति
कमजोरियों
अवसरों
डर

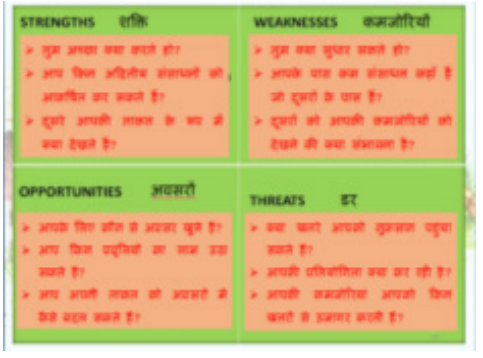
STRENGTHS शक्ति
WEAKNESSES कमजोरियाँ
OPPORTUNITIES अवसरों
THREATS डर

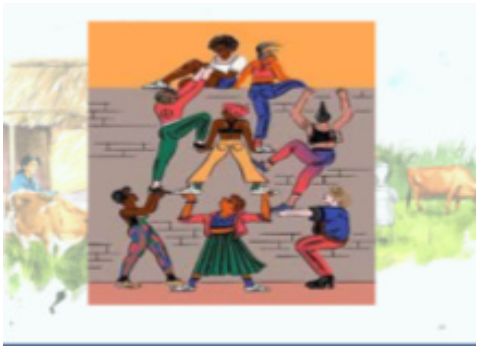

STRENGTHS शक्ति
WEAKNESSES कमजोरियाँ
OPPORTUNITIES अवसरों
THREATS धमकी

अनुलग्नक 1.3

Welcome

Teamwork

ABOUT ME
RAJIV KUMAR HASIJA
FREELANCE SOFT SKILLS TRAINER PAN INDIA
MOB NO:
+919811483213
EMAIL ID:
hasijakumarrajiv@gmail.com

ABOUT ME
ALUMNI OF ST. COLUMBA'S SCHOOL, NEW DELHI.
BA. TOURISM FROM DELHI UNIVERSITY.
MBA IN MARKETING FROM SMU , GANGTOK.
TRAINING PROGRAMS FOR SKILL DEVELOPMENT
PSS111 FROM M/S LEARNING INTERNATIONAL– EMEIA
TEACHER TRAINING COURSE FROM M/S BRITISH COUNCIL,NEW DELHI
SOFT SKILLS & PERSONALITY DEVELOPMENT TRAINING FROM NIT UTTARAKHAND & NIT TIRUCHIRAPPALI

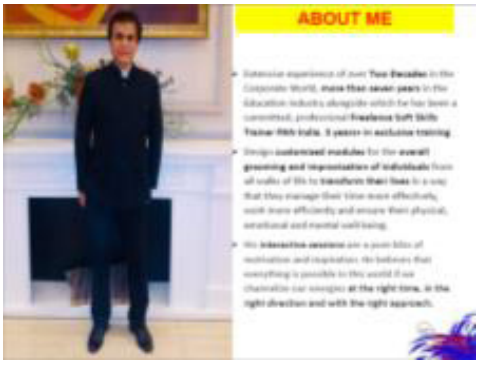
ABOUT ME

ABOUT ME
FREELANCE SOFT SKILLS TRAINER PAN INDIA
SUCCESS COACH
MENTOR
MOTIVATIONAL SPEAKER
CONDUCTED 200 + WORKSHOPS & HAVE TRANSFORMED LIVES OF MORE THAN 10,000 PEOPLE TILL DATE.
TRAININGS IMPARTED IN PAN INDIA IN SCHOOLS,GOVERNMENT & PRIVATE COLLEGES,IT INDUSTRY,HOSPITALITY INDUSTRY.
PART OF BRITISH COUNCIL AND RELIANCE PROJECTS AS WELL.
JOURNEY : 23-08-2018 VVGNLI:
TEAM BUILDING

AGENDA

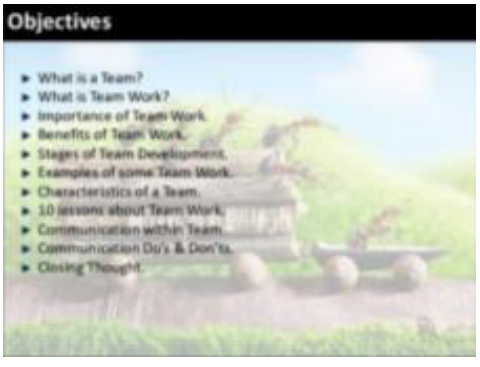
Objectives
What is a Team?
What is Team Work?
Importance of Team Work.
Benefits of Team Work.
Stages of Team Development.
Examples of some Team Work.
Characteristics of a Team.
10 lessons about Team Work.
Communication within Team.
Communication Do's & Don'ts.
Closing Thought.

TEAM
WORK

WHAT DO YOU MEAN BY THE WORD TEAM?

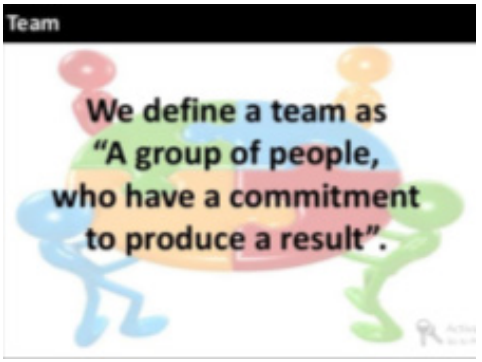
Team
We define a team as
"A group of people,
who have a commitment
to produce a result".

Concept of a Team
Team = Common Goal + Working Together

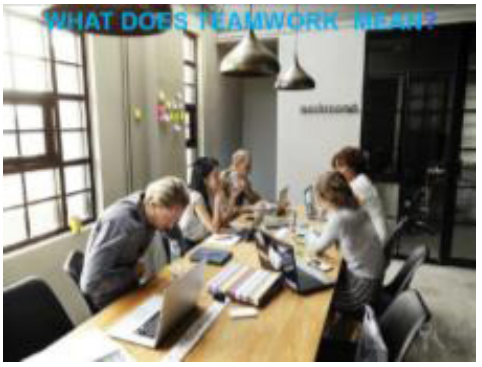
WHAT DOES TEAMWORK MEAN?

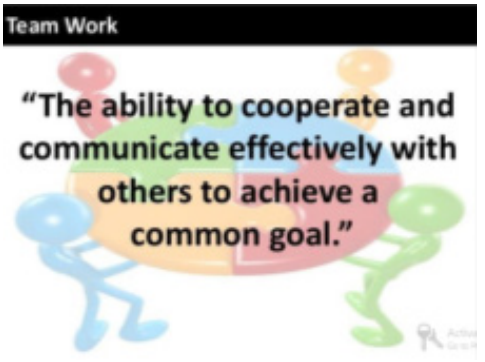
Team Work
"The ability to cooperate and
communicate effectively with
others to achieve a
common goal."

THERE IS NO "I"
IN TEAM WORK
I
WE

Why?

IMPORTANCE OF
TEAMWORK

Together
Everyone
Achieves
More

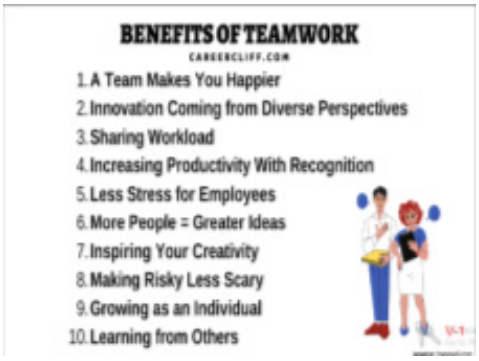
BENEFITS OF TEAMWORK
CAREERCLIFF.COM
1. A Team Makes You Happier
2. Innovation Coming from Diverse Perspectives
3. Sharing Workload
4. Increasing Productivity With Recognition
5. Less Stress for Employees
6. More People = Greater Ideas
7. Inspiring Your Creativity
8. Making Risky Less Scary
9. Growing as an Individual
10. Learning from Others

5 Stages
Of Team
Development

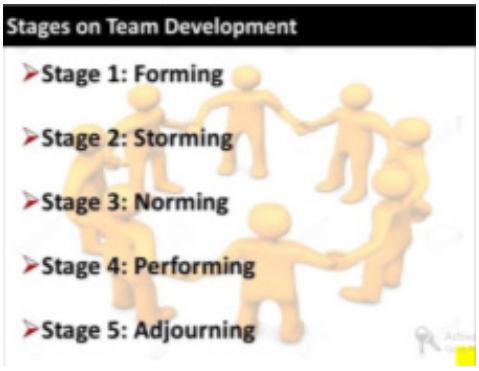
Stages on Team Development
Stage 1: Forming
Stage 2: Storming
Stage 3: Norming
Stage 4: Performing
Stage 5: Adjourning

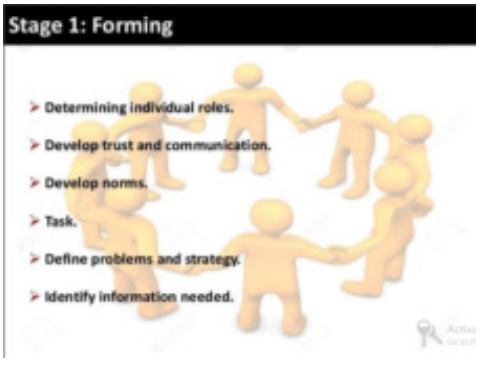
Stage 1: Forming
Determining individual roles.
Develop trust and communication.
Develop norms.
Task.
Define problems and strategy.
Identify information needed.

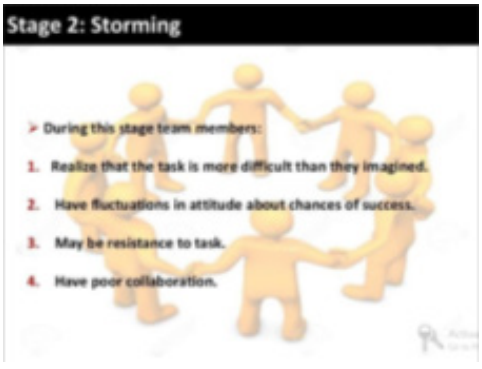
Stage 2: Storming
During this stage team members:
1. Realize that the task is more difficult than they imagined.
2. Have fluctuations in attitude about chances of success.
3. May be resistance to task.
4. Have poor collaboration.

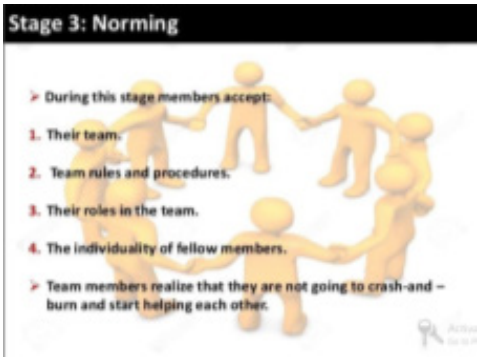
Stage 3: Norming
During this stage members accept:
1. Their team.
2. Team rules and procedures.
3. Their roles in the team.
4. The individuality of fellow members.
Team members realize that they are not going to crash-and – burn and start helping each other.

Stage 4: Performing
Team members have:
1. Gained insight into personal and team processes.
2. A better understanding of each other's strengths and weaknesses.
3. Gained the ability to prevent or work through group conflict and resolve differences.
4. Developed a close attachment to the team.
5. Commitment to shared goals.

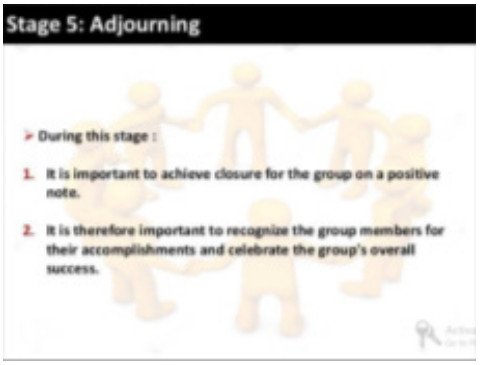
Stage 5: Adjourning
During this stage :
1. It is important to achieve closure for the group on a positive note.
2. It is therefore important to recognize the group members for their accomplishments and celebrate the group's overall success.

Great example of Teamwork

TEAMWORK IN THE WORKPLACE

Teamwork divides the task and multiplies the success.

COMING TOGETHER IS A BEGINNING.
KEEPING TOGETHER IS PROGRESS.
WORKING TOGETHER IS SUCCESS.

Team characteristics
1 Work Effortlessly
2 Trust
3 Good Communication
4 Supportive
5 Participation
6 Innovative
7 Motivation

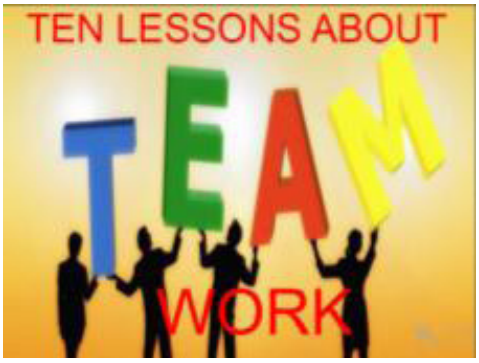
TEN LESSONS ABOUT
TEAM
WORK

Lesson 1: First of All, Knowing Your People
TEAM
WORK

Teamwork: Simply stated,
it is less me and more we.

Lesson 2: Choosing the right team members

Coming together,
sharing together,
working together,
succeeding together.
TEAMWORK

Lesson 3: Having one common goal

When we have a sense of community
and focus, we create trust and can
help each other to achieve our goals.

Lesson 4: Developing teamwork requires commitment

" Individual commitment to a group effort - that is what makes a team work a company work, a society work, a civilization work."
- Vince Lombardi (1913-1970)

Lesson 5: Sharing Information

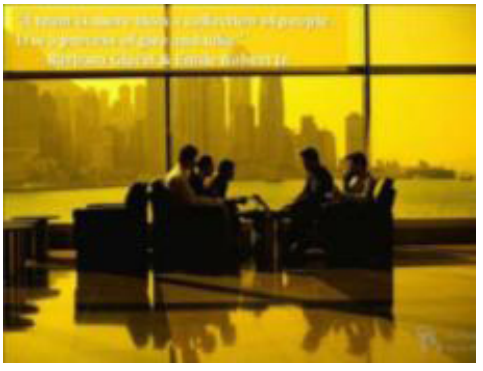

Lesson 6: Empowering the team

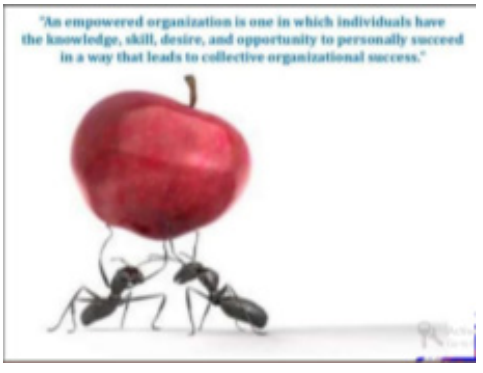
"An empowered organization is one in which individuals have the knowledge, skill, desire, and opportunity to personally succeed in a way that leads to collective organizational success."

Lesson 7: Facilitating open communication

" Bad human communication leaves us less room to grow.
- Rowan D. Williams

Lesson 8: Creating problem solving environment

Thomas Edison, when asked why he had a team of twenty-one assistants, "If I could solve all the problems myself, I would."

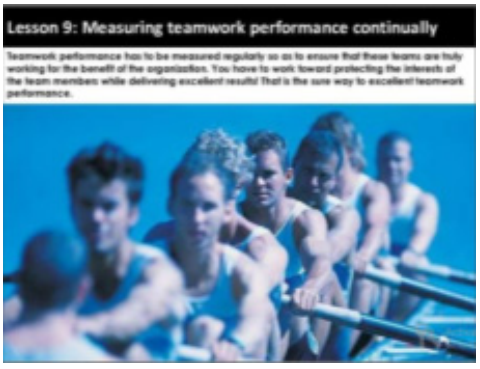
Lesson 9: Measuring teamwork performance continually
Teamwork performance has to be measured regularly so as to ensure that these teams are truly working for the benefit of the organization. You have to work toward protecting the interests of the team members while delivering excellent results! That is the sure way to excellent teamwork performance.

"It is an immutable law in business that words are words, explanations are explanations, promises are promises but only performance is reality."
- Harold S. Geneen

Lesson 10: Sharing the outcomes together
Being a team means sharing the responsibility. That is why it is also important to share both losses and victories. A team has to remain a team whether they are winning or losing. It is in the support of one another that you can all learn by experience and grow together as a team. Understanding teamwork is necessary for any and every business that hopes to benefit from it.
PREMIER LEAGUE

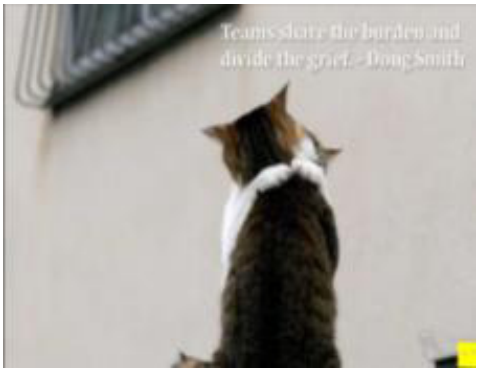
Teams share the burden and divide the grief. - Doug Smith

Communication within Team
When the team doesn't work, 99 out of 100 times there is a communication break.
Effective communication is a vital part of any team.

To create a successful team, effective communication methods are necessary for both team members and leaders.
Clear Job description
✓ Team goals
✓ Who in the team responsible for what.
✓ Timelines or SLA.
✓ Performance Matrix.

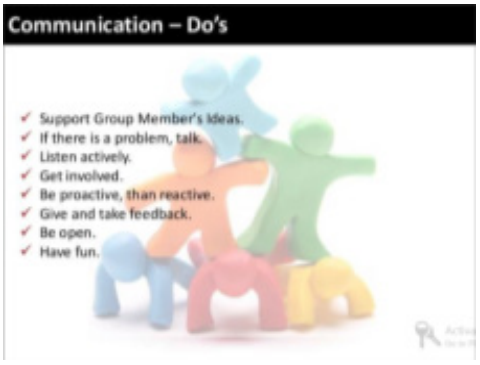
Communication – Do's
✓ Support Group Member's Ideas.
✓ If there is a problem, talk.
✓ Listen actively.
✓ Get involved.
✓ Be proactive, than reactive.
✓ Give and take feedback.
✓ Be open.
✓ Have fun.

Communication – Don'ts
Do not blame others.
No Bragging.
Do not take credit for what others are doing.
Being unprepared.
Do not speak poorly of those in authority.
Do not make others look bad.
Don't cheat.
Don't lie.
Don't steal.

TEAMWORK
Working together to achieve common goal
Everyone has to 'play the game' to win
Everyone in the team is important.
Communication is essential for team to succeed.
Good group cohesiveness
Rest and Recreation

Teamwork Divides the Task and Multiplies the Success

TEAM
T TOGETHER
E EVERYONE
A ACHIEVES
M MORE

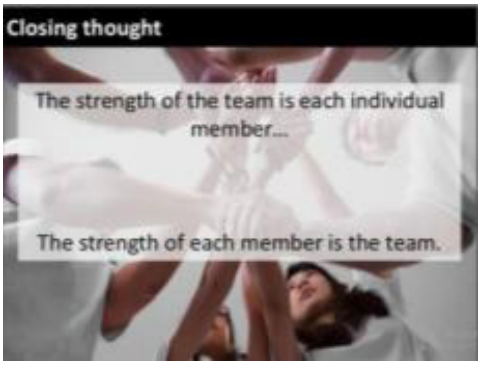
Closing thought
The strength of the team is each individual member...
The strength of each member is the team.

Please Remember
Individually, we are one drop
Together, we are an ocean.

Thank you

अनुलग्नक 2 – ई-शिविर का दूसरा दिन

अनुलग्नक 2.1

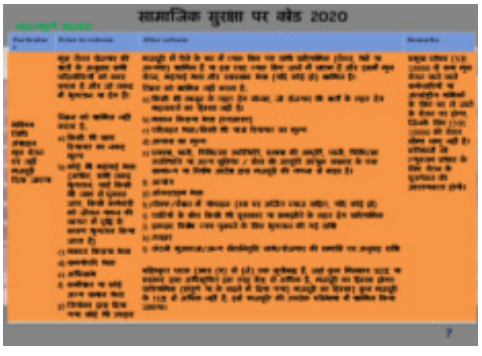

PF
PROVIDENT FUND

औद्योगिक संबंध कोड, 2020

औद्योगिक संबंध कोड, 2020

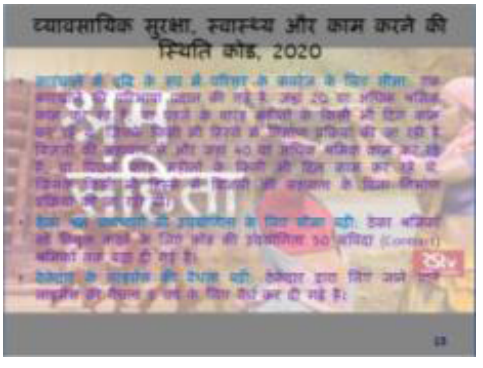
व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और काम करने की स्थिति कोड, 2020

वेतन कोड, 2019
श्रम
संहिता

'मजदूरी' की एक समान परिभाषा: कोड न्यूनतम मजदूरी, मजदूरी के भुगतान और बोनस के भुगतान पर लागू 'मजदूरी' की एक समान परिभाषा प्रदान करने का प्रयास करती है जो विभिन्न कानूनों के तहत मजदूरी की विभिन्न परिभाषाओं से संबंधित असमानता को समाप्त कर सकती है।
संहिता
असंगठित क्षेत्र का कवरेज: मजदूरी से संबंधित प्रावधान अब संगठित और असंगठित दोनों क्षेत्रों पर लागू हैं। पहले असंगठित क्षेत्र पीछे छूट गया था।

SALARY

संहिता

वेतन कोड, 2019

धन्यवाद।
HindiOrkut.com

अनुलग्नक 2.2

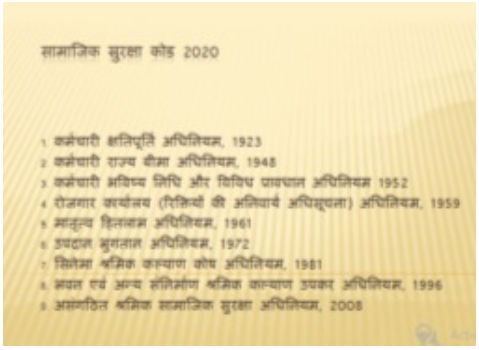
सामाजिक सुरक्षा कोड 2020
1. कर्मचारी क्षतिपूर्ति अधिनियम, 1923
2. कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948
3. कर्मचारी भविष्य निधि और विविध प्रावधान अधिनियम 1952
4. रोजगार कार्यालय (रिक्तियों की अनिवार्य अधिसूचना) अधिनियम, 1959
5. मातृत्व हितलाभ अधिनियम, 1961
6. उपदान भुगतान अधिनियम, 1972
7. सिनेमा श्रमिक कल्याण कोष अधिनियम, 1981
8. भवन एवं अन्य संनिर्माण श्रमिक कल्याण उपकर अधिनियम, 1996
9. असंगठित श्रमिक सामाजिक सुरक्षा अधिनियम, 2008

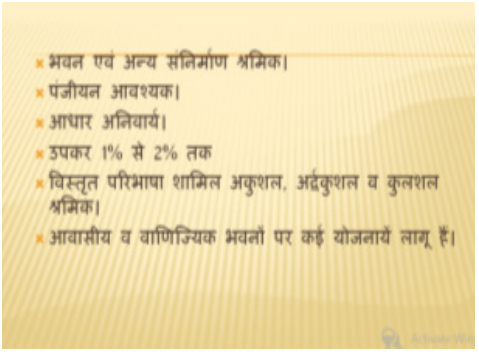
भवन एवं अन्य संनिर्माण श्रमिक।
पंजीयन आवश्यक।
आधार अनिवार्य।
उपकर 1% से 2% तक
विस्तृत परिभाषा शामिल अकुशल, अर्द्धकुशल व कुशल श्रमिक।
आवासीय व वाणिज्यिक भवनों पर कई योजनायें लागू हैं।

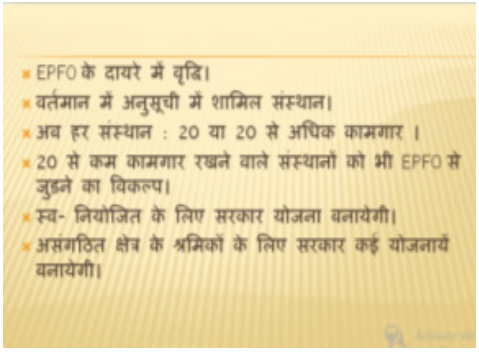
EPFO के दायरे में वृद्धि।
वर्तमान में अनुसूची में शामिल संस्थान।
अब हर संस्थान : 20 या 20 से अधिक कामगार ।
20 से कम कामगार रखने वाले संस्थानों को भी EPFO से जुड़ने का विकल्प।
स्व- नियोजित के लिए सरकार योजना बनायेगी।
असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के लिए सरकार कई योजनायें बनायेगी।

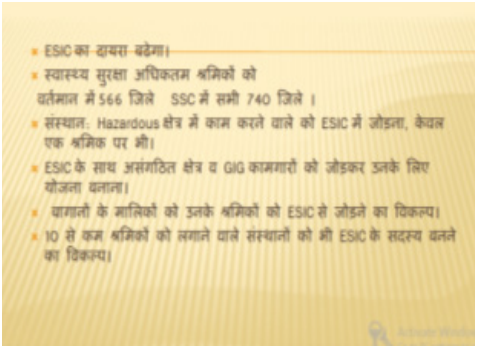
ESIC का दायरा बढ़ेगा।
स्वास्थ्य सुरक्षा अधिकतम श्रमिकों को
वर्तमान में 566 जिले SSC में सभी 740 जिले ।
संस्थान- Hazardous क्षेत्र में काम करने वाले को ESIC में जोड़ना, केवल एक श्रमिक पर भी।
ESIC के साथ असंगठित क्षेत्र व GIG कामगारों को जोड़कर उनके लिए योजना बनाना।
बागानों के मालिकों को उनके श्रमिकों को ESIC से जोड़ने का विकल्प।
10 से कम श्रमिकों को लगाने वाले संस्थानों को भी ESIC के सदस्य बनने का विकल्प।

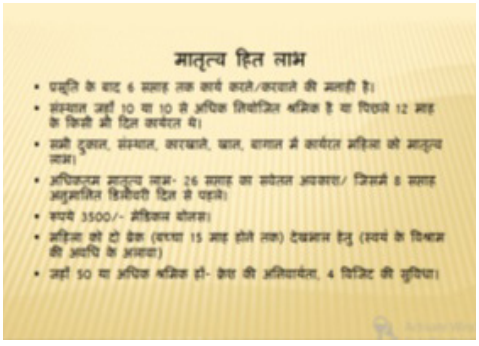
मातृत्व हित लाभ
प्रसूति के बाद 6 सप्ताह तक कार्य करने/करवाने की मनाही है।
संस्थान जहाँ 10 या 10 से अधिक नियोजित श्रमिक है या पिछले 12 माह के किसी भी दिन कार्यरत थे।
सभी दुकान, संस्थान, कारखाने, खान, बागान में कार्यरत महिला को मातृत्व लाभ।
अधिकतम मातृत्व लाभ- 26 सप्ताह का सवेतन अवकाश/ जिसमें 8 सप्ताह अनुमानित डिलीवरी दिन से पहले।
रुपये 3500/- मेडिकल बोनस।
महिला को दो बेबी (चाहे 15 माह होने तक) देखभाल हेतु (स्वयं के शिशु की अवधि के अलावा)
जहाँ 50 या अधिक श्रमिक हों- क्रेच की अनिवार्यता, 4 विजिट की सुविधा।

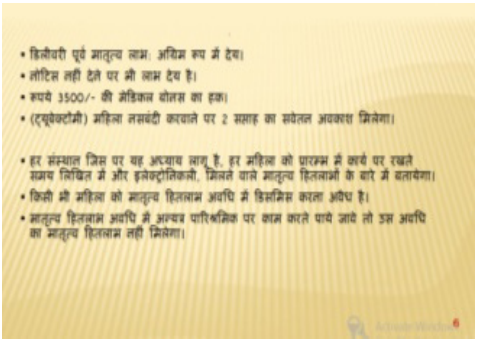
डिलीवरी पूर्व मातृत्व लाभ: अधिक रूप में देय।
नोटिस नहीं देने पर भी लाभ देय है।
रुपये 3500/- की मेडिकल बोनस का हक।
(एबॉर्शन/एमटी) महिला नसबंदी करवाने पर 2 सप्ताह का सवेतन अवकाश मिलेगा।
हर संस्थान जिस पर यह अध्याय लागू है, हर महिला को प्रारम्भ में कार्य पर रखते समय लिखित में और इलेक्ट्रॉनिकली, मिलने वाले मातृत्व हितलाभों के बारे में बतायेगा।
किसी भी महिला को मातृत्व हितलाभ अवधि में डिसमिस करना अवैध है।
मातृत्व हितलाभ अवधि में अन्यत्र पारिश्रमिक पर काम करते पाये जाने तो उस अवधि का मातृत्व हितलाभ नहीं मिलेगा।

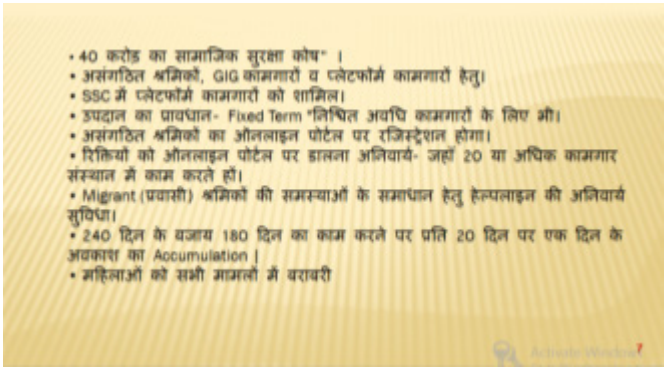
40 करोड़ का सामाजिक सुरक्षा कोष" ।
असंगठित श्रमिकों, GIG कामगारों व प्लेटफॉर्म कामगारों हेतु।
SSC में प्लेटफॉर्म कामगारों को शामिल।
उपदान का प्रावधान- Fixed Term "निश्चित अवधि कामगारों के लिए भी।
असंगठित श्रमिकों का ऑनलाइन पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन होगा।
रिक्तियों को ऑनलाइन पोर्टल पर डालना अनिवार्य- जहाँ 20 या अधिक कामगार संस्थान में काम करते हों।
Migrant (प्रवासी) श्रमिकों की समस्याओं के समाधान हेतु हेल्पलाइन की अनिवार्य सुविधा।
240 दिन के बजाय 180 दिन का काम करने पर प्रति 20 दिन पर एक दिन के अवकाश का Accumulation ।
महिलाओं को सभी मामलों में बराबरी

अनुलग्नक 3 –ई-शिविर का तीसरा दिन

अनुलग्नक 3.1

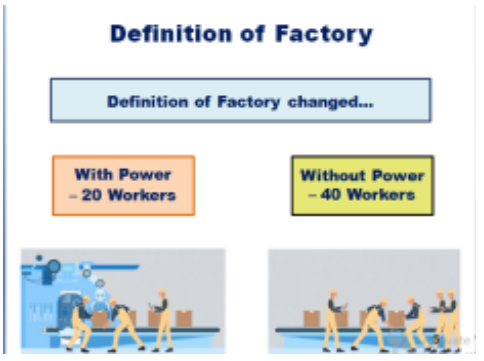

Letter of Appointment

No employee shall be employed in any establishment without an Appointment Letter

Hours of Work

Flexibility to extend daily working hours to 12, with a weekly cap of 48 hours

Overtime to be paid above 48 hours / week

Hours of Work

Work 8 hours for 6 days and get 1 day off

Work 10 hours for 5 days and get 2 days off

Work 12 hours for 4 days and get 3 days off

Medical Check Up

Annual health check-up of every worker over 45 years of age. Cost to be borne by the employer

Women Employees

Women can work in any shift

Employer is responsible for providing adequate safety...

Migrant Workers

Any worker working outside his home state, and drawing wages of less than Rs.18000/- pm, is a migrant workers

Central / State Govt. to maintain records of interstate migrant workers

Migrant Workers

Migrant workers shall be provided tickets to travel to their home town once a year, by the employer;

They will have access to ration shops across India;

They will be entitled to PF, ESI, etc.

Statement By Labour Secretary

Advantage of These Codes

- The Codes shall increase the ease of doing business in India, thus making it attractive to foreign investors;
- The Codes shall bring the major chunk of unorganised labour force within the ambit of the social security network;
- The Codes shall give the much needed boost to the in-house entrepreneurs to enter into the market;
- The Codes shall reduce the Inspector Raj and move Indian industry towards self regulation & compliance;

16

The 4 New Labour Codes Deferred

- Since labour is a concurrent subject, both the Union and the state governments need to frame rules, and only after notification of the new rules could the already notified codes be implemented.
- Although the Central Govt. is ready with the rules for the four codes, many state are not yet ready with the rules for their domain.
- Only J&K, UP, Bihar, Uttarakhand, MP and Karnataka have prepared rules for some of the codes.

17

The 4 New Labour Codes Deferred

- However, states such as Maharashtra, Delhi, Tamil Nadu, Punjab have done nothing in this regard.
- Fearing a "legal void" in case of implementation of the four central new labour codes from April 1, 2021, the Central Government has deferred it for "some time", until at least some of the major industrial states frame rules.

18

New Codes May Be Implemented w.e.f. 1st Oct, 2021

19

Hindustan Times

By hindustantimes.com | Written by Ayshee Bhaduri | Edited by Sohini Goswami, Hindustan Times, New Delhi

PUBLISHED ON AUG 24, 2021 12:52 PM IST

New labour rules with change in work hours, pay to come into effect from Oct 1?

The four new codes on industrial relations, wages, social security and occupational health safety (OSH), and working conditions will rationalise 44 central labour laws, the government has said

20

Thanks You

Any Questions?

Facilitator:
Prof. Sunil Bakshi
Chief Mentoring Officer
Arc Associates
Mobile: 9868215916
Email: sunil.bakshi@hotmail.com

21

अनुलग्नक 4

Questionnaire on Problem Identification
समस्या पहचान पर प्रश्नावली

Your precious responses are required for this research study. Please tick at appropriate box in the given grid or circle and provide your appropriate response. Some questions may have multiple responses. The data provided will be kept confidential and will be used solely for the purpose of research. **इस शोध अध्ययन के लिए आपकी कीमती प्रतिक्रियाओं की आवश्यकता है। कृपया दिए गए ग्रिड में उपयुक्त बॉक्स पर टिक करें या उचित प्रतिक्रिया दें। कुछ सवालों के कई जवाब हो सकते हैं। प्रदान किया गया डेटा गोपनीय रखा जाएगा और अनुसंधान के उद्देश्य के लिए पूरी तरह से उपयोग किया जाएगा।**	
1. Name/ नाम	
2. Age/ आयु	
3. Sex/ लिंग	**1. Male/ पुरुष** **2. Female/ महिला** **3. Transgender/ ट्रान्सजेंडर**
4. Date / दिनांक	
5. Highest education/ उच्चतम शिक्षा	**1. Primary/ प्राथमिक** **2. Middle/ माध्यमिक** **3. Senior Secondary/ उच्च माध्यमिक** **4. Graduation/ स्नातक** **5. Post-Graduation / परा-स्नातक** **6. Diploma/ डिप्लोमा** **7. Degree/ उपाधि** **8. No Education/ अनपढ़** **9. Any Other / अन्य कोई**
5. 1 If Any, Please Describe / यदि कोई अन्य हो, तो कृपया उल्लेख करें	
6. Village/ गाँव	
7. Does your village have internet connectivity? क्या आपके गांव में इंटरनेट कनेक्टिविटी है?	**Yesहाँ / No नहीं**
8. If yes, describe the speedयदि हाँ, तो गति का वर्णन करें	**1. 2G/ 2 जी** **2. 3G/3 जी** **3. 4G/4 जी** **4. Any Other / अन्य कोई**

8.1 If Any, Please Describe /यदि कोई अन्य हो, तो कृपया उल्लेख करें	
9. Do you use Internet? क्या आप इंटरनेट का उपयोग करते हैं?	**Yes हाँ / No नहीं**
10. In which device do you use your internet on? आप इंटरनेट का उपयोग किस डिवाइस में करते हैं?	**1. Mobile/ मोबाइल 2. Computer/ कंप्यूटर 3. Laptop/लैपटाप 4. Tablet/ टैबलेट 5. Any other/ कोई अन्य**
10.1 If Any, Please Describe /यदि कोई अन्य हो, तो कृपया उल्लेख करें	
11. For what purpose you use your internet for? आप अपने इंटरनेट का उपयोग किस उद्देश्य के लिए करते हैं?	**1. Education/ शिक्षा 2. Entertainment/ मनोरंजन 3. Communication/ संचार 4. Availing information/ जानकारी प्राप्त करना 5. Any other/ कोई अन्य**
11.1 If Any, Please Describe / यदि कोई अन्य हो, तो कृपया उल्लेख करें	
12. How many towers of internet your village holds? आपके गांव में इंटरनेट के कितने टावर हैं?	**1. 1-2 2. 3-4 3. 5-6**
13. Are you involved in child care? क्या आप बच्चे की देखभाल में शामिल हैं?	**Yesहाँ / No नहीं**
14. Do you have access to Toilet facilities? क्या आपके पास शौचालय की सुविधा है?	**Yes हाँ / No नहीं**
15. If yes, Whichयदि हाँ, तो कौन सा	**1. Public toilet/ सार्वजनिक शौचालय 2. Private (In house)/ निजी (घर में) 3. Any Other / कोई अन्य**
15.1 If Any, Please Describe / यदि कोई अन्य हो, तो कृपया उल्लेख करें	
16. Do you face any problem regarding availability of Water? क्या आपको पानी की उपलब्धता के संबंध में किसी समस्या का सामना करना पड़ता है?	**Yes हाँ / No नहीं**
16.1 If Yes, Please Describe / यदि कोई अन्य हो, तो कृपया उल्लेख करें	

17. From where do you fetch drinking water? पीने का पानी कहाँ से लाते हो?	**1. Tap in house / घर का नल** **2. Hand pump of house / घर का हैंड पंप** **3. Well / कुआँ** **4. Ponds / तालाब** **5. Lake / झील** **6. Bore well / बोरवेल** **7. Any Other / कोईअन्य**
17.1 If Any Other, Please Describe / यदि कोई अन्य हो, तो कृपया उल्लेख करें।	
18. Are you aware of any development program of your village? क्या आप अपने गांव के किसी विकास कार्यक्रम से अवगत हैं?	**Yes हाँ / No नहीं**
18.1. If yes, name them यदि हां, तो उन का नाम बताएं।	
19. Do you own land holdings? क्या आपके पास भूमि जोत है?	**Yes हाँ / No नहीं**
20. If yes, describe its size. यदि हाँ, तो इस के आकार का वर्णन कीजिए।	**1. 0-2 Bigha/ बीघा** **2. 2-4 Bigha/ बीघा** **3. 4-6 Bigha/ बीघा** **4. Above 6 Bigha/ 6 बीघा से ज्यादा** **5. Any Other / कोई अन्य**
20.1 If Any Other, Please Describe / यदि कोई अन्य हो, तो कृपया उल्लेख करें।	
21. Do you avail banking services क्या आप बैंकिंग सेवाओं का लाभ उठाते हैं	**Yes हाँ / No नहीं**
21.1. If yes, which one. यदि हाँ, तो कौन-सा एक	**1. Savings Account/ बचत खाता** **2. Fixed Deposits/ सावधि जमा** **3. Recurring Deposits/ आवर्ती जमा** **4. Any Other / कोईअन्य**
21.2 If Any Other, Please Describe / यदि कोई अन्य हो, तो कृपया उल्लेख करें।	
22. Are you employed? **क्या तुम नौकरी पेशा हो?**	**Yes हाँ / No नहीं**

22.1. If yes please describe the nature of work: यदि हाँ, तो कृपया कार्य की प्रकृति का वर्णन करें	1. Agriculture/ कृषि 2. Non- Agriculture/ गैर-कृषि 3. Self- employed/ स्वरोजगार 4. Allied Activities of Agriculture/ कृषि की संबद्ध गतिविधियाँ 5. Any Other/ कोई अन्य
22.2 If Any Other, Please Describe /यदि कोई अन्य हो, तो कृपया उल्लेख करें।	
23. Do you own any of these documents? क्या आपके पास इनमें से कोई भी दस्तावेज है?	1. Adhaar card / आधार कार्ड 2. Ration card / राशन कार्ड 3. PAN card / पैन कार्ड 4. Any Other card / कोई अन्य
24. Do you have any problem for commuting within and outside the village? क्या आप को गांव के भीतर और बाहर आने-जाने में कोई समस्या है?	Yes हाँ / No नहीं
24.1 If Yes, Please Describe /यदि हाँ, तो कृपया उल्लेख करें	
25. Are Educational institution available nearby your house? क्या आपके घर के पास शैक्षणिक संस्थान उपलब्ध हैं?	Yes हाँ / No नहीं
26. Are you facing any dispute regarding your land holdings? क्या आप अपनी भूमि जोत के संबंध में किसी विवाद का सामना कर रहे हैं?	Yes हाँ / No नहीं
26.1 If Yes, Please Describe /यदि हाँ, तो कृपया उल्लेख करें	
27. Do you face any problem regarding availability of Electricity? क्या आपको बिजली की उपलब्धता के संबंध में किसी समस्या का सामना करना पड़ता है?	Yes हाँ / No नहीं
27.1 If Yes, Please Describe /यदि हाँ, तो कृपया उल्लेख करें	
28. Does your children have access to online education? क्या आपके बच्चों की ऑनलाइन शिक्षा तक पहुंच है?	Yes हाँ / No नहीं
28.1 If Yes, Do they face any difficulty while accessing it? यदि हाँ, तो क्या उन्हें इस तक पहुँचने में किसी कठिनाई का सामना करना पड़ता है?	Yes हाँ / No नहीं
29. Have you ever faced any kind or domestic violence in your life? क्या आपने अपने जीवन में कभी किसी प्रकार की या घरेलू हिंसा का सामना किया है?	Yes हाँ / No नहीं

29.1 If Yes, Have you reported the same? यदिहाँ, तो क्या आपने इसकी सूचना दी है?	Yes हाँ / No नहीं
30. Have you ever witness child labour in your village? क्या आपने कभी अपने गांव में बालश्रम देखा है?	Yes हाँ / No नहीं
30.1 If Yes, Have you reported the same? यदि हाँ, तो क्या आपने इसकी सूचना दी है?	Yes हाँ / No नहीं
31. Does your village have any Micro, Small or medium enterprise? क्या आपके गांव में कोई सूक्ष्म, लघु या मध्यम उद्यम है?	Yes हाँ / No नहीं
31.1 If yes, Do they produce beneficial employment opportunities? यदि हां, तो क्या वे लाभकारी रोजगार के अवसर पैदा करते हैं?	Yes हाँ / No नहीं
32. Have you ever faced any difficulty while accessing the medical facilities available in your village? क्या आपको अपने गाँव में उपलब्ध चिकित्सा सुविधाओं का इस्तेमाल करने में कभी किसी कठिनाई का सामना करना पड़ा है?	Yes हाँ / No नहीं
32.1 If Yes, Please Describe /यदि हाँ, तो कृपया उल्लेख करें।	
33. Do all of your children attend School or any other educational institutions? क्या आपके सभी बच्चे स्कूल या किसी अन्य शिक्षण संस्थान में जाते हैं?	Yes हाँ / No नहीं
33.1 If No, please provide the reason. यदि नहीं, तो कृपया कारण बताएं।	
34. Have you received any of the COVID-19 Vaccination? क्या आपने कोई COVID-19 टीकाकरण प्राप्त किया है?	Yes हाँ / No नहीं
34.1 If Yes, did you faced any difficulty, please mention? यदि हाँ, तो क्या आपको किसी कठिनाई का सामना करना पड़ा, कृपया उल्लेख करें?	
35. Do you have access to bank facilities? क्या आपकी पास बैंक सुविधाओं तक पहुंच है?	Yes हाँ / No नहीं
35.1 If yes, Which one यदि हां, तो कौन सा	1. Saving Account / बचत खाता 2. Current Account / चालू खाता 3. Fixed Deposit / सावधि जमा 4. Credit Facility /उधार की सुविधा 5. Any Other / कोई और
35.2 If Any Other, Please Describe /यदि कोई अन्य हो, तो कृपया उल्लेख करें।	

36. Have you studied from ITI or any other technical institution? **क्या आपने आई टी आई या किसी अन्य तकनीकी संस्थान से पढ़ाई की है?**	**Yes हाँ / No नहीं**
36.1 Did you receive any employment opportunity after studying from ITI? **क्या आई टी आई से पढने के बाद आपको रोजगार का कोई अवसर मिला?**	**Yes हाँ / No नहीं**
37. What are the infrastructural challenges you are facing in your village? **आप अपने गांव में किन ढांचागत चुनौतियों का सामना कर रहे हैं?**	**1. Broken roads / टूटी सड़कें** **2. Collapsed public buildings / ढह गए सार्वजनिकभवन** **3. Ruptured Pipelines / टूटी पाइप लाइन** **4. Any other / कोई दूसरा**
37.1 If Any Other, Please Describe /यदि कोई अन्य हो, तो कृपया उल्लेख करें।	
38. Do you have any problem in accessing the schemes and programmes of Government? **क्या आपको सरकार की योजनाओं और कार्यक्रमों तक पहुँचने में कोई समस्या है?**	**Yes हाँ / No नहीं**
38.1 If Yes, Please Describe **यदि हाँ, तो कृपया वर्णन करें**	
39. Have your kids completed their schooling? **क्या आपके बच्चों ने अपनी स्कूली शिक्षा पूरी कर ली है?**	**Yes हाँ / No नहीं**
39.1 If no, please mention the reason. **यदि नहीं, तो कृपया कारण बताएं।**	

अनुलग्नक 5

Questionnaire on Time Survey
समय सर्वेक्षण

Your precious responses are required for this research study. Please tick at appropriate box in the given grid or circle and provide your appropriate response. Some questions may have multiple responses. The data provided will be kept confidential and will be used solely for the purpose of research. **इस शोध अध्ययन के लिए आपकी कीमती प्रतिक्रियाओं की आवश्यकता है। कृपया दिए गए ग्रिड में उपयुक्त बॉक्स पर टिक करें या उचित प्रतिक्रिया दें। कुछ सवालों के कई जवाब हो सकते हैं। प्रदान किया गया डेटा गोपनीय रखा जाएगा और अनुसंधान के उद्देश्य के लिए पूरी तरह से उपयोग किया जाएगा।**	
1. Name/ नाम	
2. Age/आयु	
3. Sex/लिंग	**1. Male/ पुरुष** **2. Female/ महिला** **3. Transgender/ ट्रान्सजेंडर**
4. Date / दिनांक	
Please give an account of your daily activities (Upto to 24 hours). **कृपया अपनी दैनिक गतिविधियों (24 घंटे तक) का लेखा-जोखा दें।**	
1. **Cleaning Activities**/ सफाई गतिविधियां	**1 hour, 2 hours, 3 hours…….. 24 hours** **1 घंटा, 2 घंटे, 3 घंटे …….. चौबीस घंटे**
2. **Cooking Activities** / खाना पकाने की गतिविधियाँ	**1 hour, 2 hours, 3 hours…….. 24 hours** **1 घंटा, 2 घंटे, 3 घंटे …….. चौबीस घंटे**
3. **Field and Farm Work** / खेत और कृषि कार्य	**1 hour, 2 hours, 3 hours…….. 24 hours** **1 घंटा, 2 घंटे, 3 घंटे …….. चौबीस घंटे**
4. **Taking care of children and Elders**/ बच्चों और बड़ों की देखभाल करना	**1 hour, 2 hours, 3 hours…….. 24 hours** **1 घंटा, 2 घंटे, 3 घंटे …….. चौबीस घंटे**
5. **Any other Household work** / कोई अन्य घरेलू कार्य	**1 hour, 2 hours, 3 hours…….. 24 hours** **1 घंटा, 2 घंटे, 3 घंटे …….. चौबीस घंटे**
6. **Study and learning** / अध्ययन और सीखना	**1 hour, 2 hours, 3 hours…….. 24 hours** **1 घंटा, 2 घंटे, 3 घंटे …….. चौबीस घंटे**
7. **Sleeping** / सोना	**1 hour, 2 hours, 3 hours…….. 24 hours** **1 घंटा, 2 घंटे, 3 घंटे …….. चौबीस घंटे**

8. **Travelling time/** यात्रा का समय	**1 hour, 2 hours, 3 hours…….. 24 hours** **1 घंटा, 2 घंटे, 3 घंटे …….. चौबीस घंटे**
9. **Crop farming kitchen gardening, etc.** / फसल की खेती किचन गार्डनिंग आदि।	**1 hour, 2 hours, 3 hours…….. 24 hours** **1 घंटा, 2 घंटे, 3 घंटे …….. चौबीस घंटे**
10. **Animal Husbandry** / पशुपालन	**1 hour, 2 hours, 3 hours…….. 24 hours** **1 घंटा, 2 घंटे, 3 घंटे …….. चौबीस घंटे**
11. Fishing, Forestry, Horticulture, Gardening / मत्स्य पालन, वानिकी, बागवानी, बागवानी	**1 hour, 2 hours, 3 hours…….. 24 hours** **1 घंटा, 2 घंटे, 3 घंटे …….. चौबीस घंटे**
12. Fetching of fruits, water, plants, wood etc. / फल, पानी, पौधे, लकड़ी आदि प्राप्त करना।	**1 hour, 2 hours, 3 hours…….. 24 hours** **1 घंटा, 2 घंटे, 3 घंटे …….. चौबीस घंटे**
13. **Processing and Storage of grains** / अनाज का प्रसंस्करण और भंडारण	**1 hour, 2 hours, 3 hours…….. 24 hours** **1 घंटा, 2 घंटे, 3 घंटे …….. चौबीस घंटे**
14. **Construction work** / निर्माण कार्य	**1 hour, 2 hours, 3 hours…….. 24 hours** **1 घंटा, 2 घंटे, 3 घंटे …….. चौबीस घंटे**
15. **Manufacturing Activities** / विनिर्माण गतिविधियां	**1 hour, 2 hours, 3 hours…….. 24 hours** **1 घंटा, 2 घंटे, 3 घंटे …….. चौबीस घंटे**
16. **Trade and business related activities** / व्यापार और व्यवसाय से संबंधित गतिविधियाँ	**1 hour, 2 hours, 3 hours…….. 24 hours** **1 घंटा, 2 घंटे, 3 घंटे …….. चौबीस घंटे**
17. **Services private or Government Service** / सेवाएं निजी या सरकारी सेवा	**1 hour, 2 hours, 3 hours…….. 24 hours** **1 घंटा, 2 घंटे, 3 घंटे …….. चौबीस घंटे**
18. **Household Maintenance Management and shopping for own Household** / घरेलू रखरखाव प्रबंधन और अपने घर के लिए खरीदारी	**1 hour, 2 hours, 3 hours…….. 24 hours** **1 घंटा, 2 घंटे, 3 घंटे …….. चौबीस घंटे**
19. **Community service and Help to other** / सामुदायिक सेवा और दूसरों की मदद	**1 hour, 2 hours, 3 hours…….. 24 hours** **1 घंटा, 2 घंटे, 3 घंटे …….. चौबीस घंटे**

20. **Community service and help to other household** / अन्य परिवारों को सामुदायिक सेवा और सहायता	**1 hour, 2 hours, 3 hours…….. 24 hours** **1 घंटा, 2 घंटे, 3 घंटे …….. चौबीस घंटे**
21. **Social and Cultural Activities, Mass Media, etc./** सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियाँ, मास मीडिया, आदि।	**1 hour, 2 hours, 3 hours…….. 24 hours** **1 घंटा, 2 घंटे, 3 घंटे …….. चौबीस घंटे**
22. **Personal Care and Self Maintenance** / व्यक्तिगत देखभाल और स्वयं रखरखाव	**1 hour, 2 hours, 3 hours…….. 24 hours** **1 घंटा, 2 घंटे, 3 घंटे …….. चौबीस घंटे**
If Any Other Activity, Please Describe / यदि कोई अन्य गतिविधि है, तो कृपया वर्णन करें	

MAKE IN INDIA

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

वी.वी. गिरि राष्ट्रीय श्रम संस्थान श्रम एवं इससे संबंधित मुद्दों पर अनुसंधान, प्रशिक्षण, शिक्षा, प्रकाशन और परामर्श का अग्रणी संस्थान है। इस संस्थान की स्थापना 1974 में की गई थी और यह श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार का एक स्वायत्त निकाय है। यह संस्थान विकास की कार्यसूची में श्रम और श्रम संबंधों को निम्नलिखित के द्वारा मुख्य स्थान देने के लिए समर्पित है:

- वैश्विक स्तर के अनुसंधानिक अध्ययनों और प्रशिक्षण हस्तक्षेपों को हाथ में लेना;
- कार्य की दुनिया में रूपांतरण के मुद्दे पर कार्रवाई करना;
- श्रम तथा रोजगार से संबंधित मुख्य सामाजिक भागीदारों तथा पणधारियों के बीच कौशल तथा अभिवृत्ति और ज्ञान का प्रचार–प्रसार करना;
- विश्व प्रसिद्ध संस्थानों के साथ समझ निर्माण तथा सहभागिता विकसित करना।

श्रमेव जयते

वी.वी. गिरि राष्ट्रीय श्रम संस्थान

सैक्टर 24, नौएडा–201 301, उत्तर प्रदेश (भारत)

वेबसाइट : www.vvgnli.gov.in